राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार,01 नवेम्बर–2021 वर्ष–4,अंक–281 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के एकता दोड़ में दौड़े गृह राज्य मंत्री,

हर्ष सांघवी बोले- सरदार साहब ने देश को एक करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया

क्रांति समय,सूरत

एकीकृत के निर्माता सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी की अध्यक्षता में सूरत पुलिस आयुक्त मुख्यालय के पुलिस परेड ग्राउंड में सुबह एकता डोड का आयोजन किया गया. भारत, लौह पुरुष, भारत रत्न। मंत्री व गणमान्य लोगों ने हरी झंडी दिखाकर एकता दोड़ की शुरुआत की। साथ ही उन्होंने अन्य धावकों को एकता दौड़ में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। हर्ष सांघवी ने कहा कि सरदार साहब ने अंतिम सांस तक देश को एक करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। आज के आधुनिक और एक भारत के निर्माता,गुजरात के पौत्र सरदार साहब को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि सरदार साहब आज के आधुनिक और एक भारत के निर्माता हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन अंतिम सांस तक देश को एक करने के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कोरोना काल में लोगों को सुरक्षित और कोरोना मुक्त रखने के लिए मनपा में शहर की पुलिस और हजारों कोरोना योद्धाओं द्वारा किए गए नेक काम की सराहना की. राष्ट्रीय एकता की शपथ लेने वाली एकता दोड़ के साथ ही एक दौड़ का आयोजन भी किया गया। प्रथम तीन उपविजेता को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रमाण पत्र और ट्राफियां देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहने की राष्ट्रीय एकता की शपथ ली।

सूरत में सबसे कम उम्र के ब्रेनडेड बच्चे के दोनों हाथों का दान

क्रांति समय,सूरत

सूरत में भारत के सबसे छोटे बच्चे यानी 14 साल के ब्रेनडेड बच्चे के दोनों हाथ दान कर दिए गए हैं. लेउवा पटेल समाज के 14 वर्षीय धार्मिक अजयभाई काकड़िया के परिवार ने अपने वलसोया बच्चे के दिल, फेफड़े, लीवर और आंखों सहित दोनों हाथ दान कर समाज को एक नई दिशा दी है। पहली बार सूरत शहर की पुलिस के सहयोग से मुंबई, चेन्नई और अहमदाबाद में हथियारों, दिल और फेफड़ों की समय पर डिलीवरी के लिए एक ही दिन में तीन ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया गया। टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के नाम से जाना जाने वाला सूरत शहर अब अंग दाता शहर के रूप में देश में लोकप्रियता हासिल कर रहा है। देश में ऐसा पहली बार हुआ है कि सबसे छोटे बच्चे यानी 14 साल का हाथ दान किया गया है. फिस्टुला हैंड ट्रांसप्लांट का यह देश का पहला मामला भी है। ब्रेनडेड पब्लिक कटारगाम में रामपार्क सोसायटी में रहने वाले और दाभोली के ब्रिलियंट विद्यालय में कक्षा-10 में पढ़ने वाले एक 14 वर्षीय धार्मिक सूजन आ गई। न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर ने मस्तिष्क में रक्त के थक्कों और सूजन को दूर करने के लिए क्रैनियोटॉमी की। फिर 29 अक्टूबर को

व्यक्ति को उल्टी और उच्च रक्तचाप के कारण 27 अक्टूबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। निदान के लिए सीटी स्कैन के दौरान ब्रेन हेमरेज के कारण मस्तिष्क में रक्तका थक्का जम गया और किरण अस्पताल के डॉक्टरों ने धर्म को ब्रांडेड घोषित कर दिया और डोनेट लाइफ की टीम ने अस्पताल पहुंचकर धार्मिक परिवार को अंगदान का महत्व और इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। माता-पिता अंगदान के लिए राजी धार्मिक माता-पिता ललिताबेन और अजयभाई ने कहा कि हमारे बच्चे को पिछले पांच साल से किडनी की समस्या थी और पिछले एक साल से सप्ताह में तीन बार डायलिसिस से गुजरना पड़ा। डायलिसिस का दर्द क्या होता है ये हम भली भांति जानते हैं। एक धार्मिक व्यक्ति को किडनी ट्रांसप्लांट कराने की प्रक्रिया भी चल रही थी। आज, जब हम धार्मिक रूप से ब्रेनडेड हैं, उसके जैसे अन्य अंग विफलता रोगियों को अंग दान के माध्यम से नया जीवन मिलता है। दिल पर पत्थर रखकर बेटे के हाथ का दान परिवार से जिगर, दिल, फेफड़े और आंतों के दान को मंजूरी दी गई थी। नीलेश मंडलेवाला ने तब परिवार के सदस्यों को समझाया कि देश में कई लोगों के हाथ दुर्घटना से कट गए थे और उन्हें सामान्य जीवन जीने में कठिनाई हो रही थी। यदि आप अपने वलसोय बेटे के हाथ को दान करने की अनुमति देते हैं तो किसी को हाथ प्रत्यारोपण के माध्यम से नया जीवन मिल सकता है। तब परिवार ने सर्वसम्मति से अपने वलसोय बच्चे के हाथ, जो दिल का एक टुकड़ा है, अपने दिल पर एक पत्थर रखकर दान करने के लिए सहमति व्यक्त की, यह कहते हुए कि जब शरीर जलकर राख हो जाए, तो हमारे बच्चे के सभी अंगों को दान कर दें। जरूरतमंद रोगियों द्वारा उपयोग किया जाता है।

एक ही दिन तीन हरी गलियारों पहली बार समय पर मुंबई, चेन्नई और अहमदाबाद के लिए हाथ, दिल और फेफड़ों को वितरित करने के लिए एक ही दिन में बनाया गया था। जिसमें सूरत शहर पुलिस का सहयोग मिला। अहमदाबाद को समय पर लीवर पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। जिसमें सूरत शहर पुलिस के साथ-साथ राज्य के विभिन्न शहर और ग्रामीण पुलिस का सहयोग प्राप्त हुआ।

लौह पुरुष पटेल ने भारत को एक सूत्र में पिरोया, कोई नहीं तोड़ सकता एकता : अमित शाह

क्रांति समय,सूरत

केवड़िया,देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के मौके पर गुजरात के केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर आयोजित समारोह में गृह मंत्री अमित शाह ने शिरकत की। उन्होंने इस दौरान सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी और कहा कि सरदार साहब का जीवन समर्पण और निष्ठा की प्रेरणा देता है। समारोह में उपस्थित जनमानस को संबोधित करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि भारत की एकता और अखंडता को कोई भी नहीं तोड़ सकता। गृह मंत्री ने कहा, 'सरदार पटेल जी की दी हुई प्रेरणा ने ही आज देश को एक और अक्षुण्ण रखने का कार्य किया है। आज उनकी प्रेरणा देश को आगे ले जाने में, हमें एकजुट रखने में सफल हुई है।' गृह मंत्री अमित शाह ने समारोह में कहा कि आज जो परंपरा हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने शुरू की है, देश के प्रथम गृह मंत्री और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म दिन को राष्ट्रीय एकता दिन के रूप में मनाने की परंपरा को आज हम आगे बढ़ा रहे हैं।'

गृहमंत्री ने सरदार पटेल की जयंती पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर आयोजित समारोह में किया नमन

उन्होंने कहा, 'आज सरदार पटेल की जयंती है। मैं पूरे देश में करोड़ों देशवासियों को बताना चाहता हूं कि सदियों में कोई एक सरदार बन पाता है, वो एक सरदार सदियों तक अलख जगाता है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'राष्ट्रीय एकता दिवस का अपना एक खास महत्व है। आज यह दिवस आजादी का अमृत महोत्सव है। आजादी के बाद हमें अंग्रेजों ने कई हिस्सों में बांटने की कोशिश की। सरदार पटेल ने इस साजिश को विफल किया और अखंड भारत का निर्माण किया।'

जामनगर एयरपोर्ट पर आतंकी हमले से निपटने मॉक ड्रिल

क्रांति समय,सूरत

जामनगर,जामनगर एयरपोर्ट पर दो आतंकियों के हमला करने और बंधक बनाने की खबर के साथ ही बड़ी संख्या में पुलिस बल ने हवाई अड्डे को घेर लिया। कुछ ही देर में यात्रियों को बंधक बनाकर 100 करोड़ की फिरौती मांगने वाले दोनों आतंकियों को दबोच लिया। तेजी से हुए इस घटनाक्रम से एयरपोर्ट पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए हैं। प्रशासन की ओर मॉक ड्रिल का ऐलान करने पर एयरपोर्ट पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

नवसारी पारसी अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात एमडी फिजिशियन डॉक्टर की इच्छा के अनुसार उनकी मृत्यु के बाद नेत्रदान किया गया।

क्रांति समय,सूरत

नवसारी शहर के पुराने अस्पताल पारसी में पिछले ३० साल से एमडी फिजिशियन के पद पर कार्यरत डॉ. अतुल नायक का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया, जिससे पूरा अस्पताल स्टाफ सदमे में है. जिन्होंने मृत्यु के बाद आंखों पर पट्टी बांधकर दान करने का संकल्प लिया। अतुल नायक के निधन की खबर सुनकर शहर में उनके कई मरीज भी दुखी हो गए।

80 वर्ष की आयु में डॉक्टर की मृत्यु होने पर उनकी आंखें दान कर दी गईं।

आशीर्वाद के रूप में शहर में मरीजों की सेवा करने वाले डॉ. दूसरों को चिकित्सा सेवा करने के बाद भी उपयोगी होने का संदेश देने वाले डॉ. अतुल नायक के नेत्रदान के निर्णय की भी सराहना हो रही है।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

संपादकीय

अवरोध हटने की शुरुआत

यह किसी खुशखबरी से कम नहीं कि लगभग ग्यारह महीने बाद किसानों के धरना स्थल पर लगे बैरिकेड्स को हटाने की शुरुआत हो गई है। जब यातायात की शुरुआत होगी, तब दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले लोग निश्चित ही राहत की सांस लेंगे। टीकरी सीमा के बाद गाजीपुर सीमा से भी बाधाओं के हटने से कम से कम सरकार की ओर से परेशानी कुछ कम हो जाएगी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि बाधाओं को पूरी तरह से हटा दिया जाएगा या एक-दो या आधे लेन ही खोले जाएंगे। यदि एक-दो लेन को भी चालू कर दिया जाता है, तब भी लोगों को बड़ी राहत होगी। जयपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर भी हरियाणा सरकार को यातायात की सुविधा बढ़ाने के बारे में सोचना चाहिए। बारिश में सर्विस लेन को बड़ी क्षति पहुंची है और इक्का-दुक्का लेन के चालू रहने से घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है। हम सब जानते हैं कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एकाधिक जगहों पर यातायात बंद होने से अरबों रुपये का नुकसान हुआ है। जाम वाले इलाकों में रहने वालों के साथ ही वहां स्थित रोजगार-धंधों पर भी इसकी तगड़ी मार पड़ी है। जिन नेताओं और अधिकारियों ने यातायात को अब खोलने का निर्णय लिया है, वे बधाई के पात्र हैं। शासन-प्रसाशन में यातायात को फिर से सहज बनाने की चिंता अगर बढ़ी है, तो यह हर दृष्टि से सराहनीय है। यह कदम सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के कुछ दिन बाद ही उठाया गया है। सुनवाई के दौरान किसान संगठनों ने शीर्ष अदालत में यह कहा था कि उन्होंने कोई रास्ता बंद नहीं किया है, दिल्ली की सीमाओं पर बैरिकेड्स पुलिस ने लगाए हैं। वाकई, जब किसानों ने दिल्ली की ओर कूच किया था, तब उन्हें राजधानी के महत्वपूर्ण ठिकानों से दूर रोकने के लिए पुलिस ने ही अवरोधक लगाए थे। जिस तरह से कांटों की ढलाई हुई थी, सीमेंट के अवरोधक खड़े किए गए थे, सड़कों को रातोंरात खोद दिया गया था, लोग भूले नहीं हैं। किसानों को लेकर सरकार के मन में एक भय था और इस भय को कुछ कथित आंदोलनकारियों ने मौका मिलने पर लाल किले पर उत्पात मचाकर सही साबित कर दिया। कोई शक नहीं कि हम आर्थिक, सामाजिक, सांविधानिक रूप से बहुत नुकसान झेल चुके हैं, अत- अब यह संकट टलना चाहिए। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ शुरू हुए आंदोलन से लोकतंत्र भले कम मजबूत हुआ है, लेकिन देश का गौरव कतई नहीं बढ़ा है। विगत ग्यारह महीने में यमुना में बहुत पानी बह चुका है, पर समस्या जस की तस बनी हुई है। जहां सरकार कुछ लचीलापन दिखा रही है, वहीं किसानों को भी जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए। उदाहरण के लिए, गाजीपुर बॉर्डर पर डटे भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि रास्ते खुलेंगे, तो हम भी अपनी फसल बेचने पार्लियामेंट में जाएंगे। अगर किसान वाकई ऐसा करने वाले हैं, तो सरकार को ज्यादा गंभीरता का परिचय देना चाहिए। टिकैत भले ही कह रहे हों कि सड़क जाम करना हमारे विरोध का हिस्सा नहीं है, लेकिन हकीकत कुछ अलग है। किसान सड़कों पर ऐसे आ जमे हैं कि उन्हें भी हटने में वक्त लगेगा। उम्मीद करनी चाहिए कि जैसे सड़कों से अवरोधक हटने की शुरुआत हो रही है, ठीक उसी तरह से समाधान का भी मार्ग प्रशस्त होगा। परस्पर संवाद और समझदारी से ही बाधाएं हटेंगी।

टीकाकरण की उपलब्धि के बावजूद सतर्कता जरूरी

अमेरिका की फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने हाल ही में दो वैक्सीनों को बतौर बूस्टर शॉट इस्तेमाल करने की आपातकालीन मंजूरी दी है। मोडर्ना अथवा जॉनसन एंड जॉनसन का बूस्टर टीका उनके लिए है, जिन्हें कोविड वैक्सीन का पूरा कोर्स लिए कम-से-कम 6 महीने हो चुके हों, जो 18-64 आयु वर्ग वाले हैं क्योंकि तीव्र संक्रमण होने का खतरा सबसे ज्यादा इस वर्ग को है या उन्हें जो किसी अन्य बीमारी की वजह से बार-बार अस्पतालों में भरती हों या व्यवसाय संबंधित संक्रमण से पीड़ित होते रहते हैं।

जगत राम, राकेश कोछड़

गत 21 अक्तूबर के दिन भारत ने कोविड-19 के खिलाफ युद्ध में वैक्सीन का 100 करोड़वां टीका लगाकर मील का पत्थर प्राप्त कर लिया। यह असाधारण प्राप्ति है जिसे महज 9 महीनों में कर दिखाया है, वह भी भारत निर्मित वैक्सीन से। हमारी कम-से-कम 75 फीसदी बालिग आबादी को पहला टीका लग चुका है, वहीं दोनों खुराक पाने वालों की गिनती लगभग 31 प्रतिशत है। महत्वपूर्ण यह है कि अकेले सितम्बर माह में अभूतपूर्व 23.6 करोड़ टीके लगाए गए। इस तरह दोनों टीके लगों की संख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या के करीब है। आशंकाओं के विपरीत कुल वैक्सीन का 65 फीसदी इस्तेमाल ग्रामीण भारत में हुआ है। मील के इस पत्थर से आगे की राह क्या है? हमारी वयस्क आबादी को दोनों खुराकों से सुरक्षित करने के बाद अगली चिंता वायरस के नए रूपांतरों की आशंका के मद्देनजर बूस्टर शॉट लगाने के अलावा अवयस्क वर्ग को वैक्सीनयुक्त करना है। वैसे समूची आबादी को पूरी तरह वैक्सीन लगाने का काम मार्च, 2022 तक ही हो पाएगा। वहीं दूसरी ओर जहां हिमाचल प्रदेश, गुजरात और केरल में, जहां कुल आबादी में लगभग आधी को दोनों टीके लगाने का काम पूरा हो चुका है, तो यूपी में यह शोचनीय आंकड़ा मात्र 19 प्रतिशत और महाराष्ट्र में 32 फीसदी है। लगातार रोजाना घटते कोविड मामलों के मद्देनजर चिंताजनक यह है कि कहीं आने वाले महीनों में जोश में बहक कर इसकी अनिवार्यता और वैक्सीन लगवाने की ललक मद्धम न पड़े जाए। यही वह कारक हैं, जिसकी वजह से अमेरिका में पिछली लहर बनी थी, क्योंकि हजारों लोग दूसरा टीका लगवाने नहीं आए थे। भारत में 10 करोड़ नागरिकों को दूसरी खुराक नहीं लगी है। इसलिए जनसंख्या के बड़ा भाग पर संक्रमित होने और इसको अन्यों तक फैलाने का जोखिम मंडरा रहा है। हालांकि, विश्व में टीकाकरण बढ़ने के बावजूद कोविड प्रतिरोधकता शक्ति की घटती क्षमता से चिंता भी बनी है। साइंसदानों को अब तक पूरी तरह पक्का नहीं है कि कोविड 19 के खिलाफ बनी प्रतिरोधक क्षमता का कितना स्तर में वास्तव में शरीर में बने रहना जरूरी है। कुछ कोविड वैक्सीनों में बूस्टर टीका लगवाने की जरूरत है। हालांकि हेपेटाइटिस-बी में भी 6 महीनों बाद बूस्टर डोज़ लगवाने की जरूरत होती है। इसी तरह टिटनेस टीका हर 10 साल बाद लगवाना होता है। हेपेटाइटिस-ए और टाइफाइड वैक्सीन को भी समय-समय पर पुनः लगाना जरूरी है और यही बात फ्लू के टीके पर लागू है। इस्राइल में 60 साल से ऊपर लोगों में, जिनको दोनों डोज़ लगवाए 5 माह बीत चुके हैं, उनमें पाया गया है कि हाल में टीका लगवाने वालों की बनिस्बत कोविड से संक्रमित होने का खतरा तीन गुणा ज्यादा है। यूके के एक अध्ययन में सामने आया है कि कोविड के लिए एस्ट्रा-जेनेका वैक्सीन की दूसरी खुराक लेने के 20 हफ्तों बाद इसकी प्रभावशीलता 67 प्रतिशत से घटकर 47 फीसदी रह जाती है। एक अन्य अध्ययन बताता है कि फाइज़र-बायोटेक के बूस्टर टीके का प्रभाव लक्षणयुक्त कोविड संक्रमण मामलों में 95.6 पाई गई है। यह डाटा उस वक्त का है, जब डेल्टा वेरियंट ने कोहराम मचा रखा था। अमेरिका की फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने हाल ही में दो वैक्सीनों को बतौर बूस्टर शॉट इस्तेमाल करने की आपातकालीन मंजूरी दी है। मोडर्ना अथवा जॉनसन एंड जॉनसन का बूस्टर टीका उनके लिए है, जिन्हें कोविड वैक्सीन का पूरा कोर्स लिए कम-से-कम 6 महीने हो चुके हों, जो 18-64 आयु वर्ग वाले हैं क्योंकि तीव्र संक्रमण होने का खतरा सबसे ज्यादा इस वर्ग को है या उन्हें जो किसी अन्य बीमारी की वजह से बार-बार अस्पतालों में भरती हों या व्यवसाय संबंधित संक्रमण से पीड़ित होते रहते हैं। एफडीए ने मिक्स एंड मैच वैक्सीन लगाने को भी अनुमति दे दी है, क्योंकि देखने में आया है कि दो अलग किस्म की वैक्सीन लगवाने से शरीर की कोविड प्रतिरोधकता क्षमता बढ़ती है। यूके के राष्ट्रीय स्वास्थ्य तंत्र ने भी 6 महीने पहले दूसरा टीका लगवा चुके चुनींदा लोगों को - जो 50 साल से ऊपर हैं या अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्यकर्मी और कुछ अन्य वर्ग को बूस्टर वैक्सीन लगवाने का विकल्प दिया है। भारत को भी दोनों टीके लगवा चुके लोगों को बूस्टर शॉट लगाने की जरूरत पर विचार करना चाहिए। देश के विभिन्न हिस्सों से एकत्र किया गया डाटा बताता है कि दोनों खुराकें ले चुके लोगों में 8-10 प्रतिशत को फिर से संक्रमण हुआ है। राज्यों के पास 10 करोड़ टीकों की उपलब्धतता होने के मद्देनजर ज्यादा नाजुक वर्ग, जैसे बुजुर्ग और स्वास्थ्यकर्मियों को बूस्टर डोज़ लगाने पर विमर्श किया जाना चाहिए। टीकाकरण का अगला प्राप्तकर्ता वर्ग 18 साल से कम अवयस्क हैं। सरकार ने पहले ही दो वैक्सीन - ज़ायडस कैडिला की ज़ाइकोव-डी और भारत बायोटैक की कोवैक्सीन को 2-17 आयु वर्ग के बच्चों को बतौर आपातकालीन इस्तेमाल की इज़ाजत दे रखी है। लेकिन डॉ. वीके पॉल जो कोविड टास्क फोर्स के मुखिया हैं, उन्होंने हाल ही में कहा है कि सरकार को बच्चों और शिशुओं को टीके लगाने की अंतिम मंजूरी पर जल्द फैसला लेना चाहिए। जैसा कि स्कूल-कॉलेज पुनः खुलने शुरू हो चुके हैं, ऐसे में बिना वैक्सीन वाले बच्चे खतरा बन सकते हैं, हालांकि उनमें अधिकांश में कोविड का असर कम रहता है। चिंता की बात है कि जहां अमेरिका, चीन और यूरोप ने अपनी आबादी के लगभग आधे हिस्से को दोनों टीके लगा दिए हैं वहीं अफ्रीका में यह आंकड़ा फिलहाल शोचनीय है। विशेषज्ञ बार-बार चेता रहे हैं कि मुल्कों के बीच आवाजाही और व्यापार पुनः शुरू होने के बाद कोविड-19 से पूरी तरह मुक्ति तब तक संभव नहीं है जब तक कि विश्व के सभी भागों में काबू में नहीं आ जाता। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने पिछले साल सबको समान रूप से वैक्सीन मुहैया करवाने हेतु - कोवैक्स - नामक समूह बनाया था, लेकिन समृद्ध राष्ट्रों ने अपनी आबादी की एवज में गरीब देशों के लिए पर्याप्त वैक्सीन नहीं छोड़ी। इससे एक तरह की जमाखोरी हुई, जिससे एक्सपायरी की अंतिम तारीख निकलने की वजह से वैक्सीन के करोड़ों टीके बर्बाद हो गए। फिर लोगों में आक्रामता की हद तक वैक्सीन लगवाने वाली हिचकिचाहट भी कम टीकाकरण दर का कारण है, पूरबी यूरोप के लातविया, रोमानिया और बुलगारिया इसका उदाहरण है। यहां तक कि रूस में भी, स्वदेशी वैक्सीन के बावजूद, इसी तरह का संकट है, बल्कि तथ्य तो यह कि कोविड महामारी से सबसे ज्यादा मृत्यु दर वहीं है। मौजूदा साल के शुरू में भारत में डेल्टा के अति-संक्रामक और मारक रूपांतर ने ही कोहराम मचाया था। विश्वभर में सबसे ज्यादा संक्रमण और मौतों के पीछे भी यही डेल्टा है। अब इसकी एक नई किस्म, एवाई.4.2 वेरियंट की शिनाख्त सितम्बर माह में इंग्लैंड में हुई है। यह रूपांतर सिलसिलेवाराना संक्रमण के कुल मामलों में 6 फीसदी के लिए उत्तरदायी है। चिंता है कि कुछ नये रूपांतर बहुत ज्यादा मारक हो सकते हैं। हमें आने वाले महीनों में सावधान रहना होगा, पर्यटन और सामाजिक आयोजन शुरू होने के साथ, लोगों ने अपने सुरक्षा स्तर में कमी कर दी है, मास्क लगाना और शारीरिक दूरी कायम का ध्यान रखना छोड़ दिया है। त्योहारों का मौसम और चुनाव भी नए मामलों के जनक होते हैं, खासतौर पर ऐसे वक्त पर जब वैक्सीन से प्राप्त प्रतिरोधक क्षमता समय के साथ घटनी शुरू हो चुकी है। इंग्लैंड में रोजाना कोविड मामले फिर से उछाल लेकर 50000 तक पहुंच गए हैं - जो मध्य-जुलाई से बाद सबसे ज्यादा हैं - इसके पीछे प्रतिबंध उठाना और मास्क एवं शारीरिक दूरी का पालन न करना है। 100 करोड़ टीकाकरण के बनी प्राप्ति को सुदृढ़ रखने को हमें कोविड संबंधी संहिता का पालन, मास्क लगाकर रखना और भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूर रहने और गैर-जरूरी एकत्रता बनाने से गुरेज करना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

दुश्मनों का काल है 'आकाश प्राइम'

- योगेश कुमार गोयल

उच्च तकनीक वाली मिसाइलों, अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों और उच्च कोटि के सैन्य उपकरणों को सेना के तीनों अंगों का अहम हिस्सा बनाए जाने के चलते एक ओर जहां भारत की सैन्य ताकत लगातार बढ़ रही है, वहीं दुश्मन देशों की हर प्रकार की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भारतीय सेना भी सशक्त हो रही है। इसी कड़ी में पिछले दिनों भारतीय रक्षा अनुसंधान केन्द्र (डीआरडीओ) ने आकाश मिसाइल के नए अपग्रेडेड वर्जन 'आकाश प्राइम' का सफल परीक्षण करके सेना को मजबूत बनाने की दिशा में एक और बड़ी सफलता हासिल की। डीआरडीओ द्वारा यह परीक्षण तीव्र गति वाले एक मानवरहित हवाई लक्ष्य को निशाना बनाकर किया गया, जिसे 'आकाश-प्राइम' ने सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। इस अपग्रेडेड आकाश मिसाइल को भारतीय सेना में शामिल किए जाने के बाद निःसंदेह सेना की ताकत में बड़ा इजाफा होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 30 दिसम्बर 2020 को कैबिनेट की बैठक में भारत की स्वदेशी आकाश मिसाइलों का निर्यात करने का निर्णय भी लिया गया था, जिसके बाद अब दुनिया के अन्य देश भी इन मिसाइलों को खरीद सकते हैं। दरअसल ऐसी खबरें आती रही हैं कि फिलीपींस, बेलारूस, मलेशिया, थाईलैंड, यूएई, वियतनाम इत्यादि दुनिया के कुछ देश आकाश मिसाइलों की मारक क्षमता से प्रभावित होकर भारत से ये मिसाइलें खरीदना चाहते हैं। निश्चित रूप से भारत के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है कि जो देश अब तक अपनी अधिकांश रक्षा जरूरतें कुछ दूसरे विकसित देशों से आयात करके पूरी करता था, वह अब रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ाते हुए दूसरे देशों को सैन्य साजो-सामान निर्यात करने की ओर भी कदम बढ़ा रहा है। आकाश मिसाइल डीआरडीओ द्वारा विकसित और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित एक मध्यम दूरी की मोबाइल सैम (सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल) प्रणाली है, जो 18 हजार फुट तक की ऊंचाई पर 30-80 किलोमीटर दूर तक निशाना लगा सकती है। आकाश मिसाइल के विभिन्न संस्करणों में लड़ाकू जेट, हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हवाई लक्ष्यों को बेअसर करने की विलक्षण क्षमता है। भारतीय थलसेना और भारतीय वायुसेना में आकाश एमके-1 तथा आकाश एमके-1एस की कई स्क्वाड्रन तो पहले से ही कार्यरत हैं। चीन के साथ हुए सीमा विवाद के दौरान गत वर्ष आकाश मिसाइल के कुछ संस्करणों को लद्दाख में एलएएसी पर भी तैनात किया गया था। इसके अलावा भारतीय वायुसेना द्वारा ग्वालियर, जलपाईगुड़ी, तेजपुर, जोरहाट, पुणे एयरबेस पर भी आकाश मिसाइलें तैनात की गई हैं। भारत में अभी तक आकाश मिसाइल के कुल तीन वैरिएंट मौजूद थे, जिनमें 30 किलोमीटर रेंज वाली 'आकाश एमके1', 40 किलोमीटर रेंज वाली 'आकाश एमके1एस' और 80 किलोमीटर रेंज की 'आकाश-एनजी' मिसाइलें शामिल थी। अब चौथा संस्करण 'आकाश प्राइम' भी आकाश मिसाइलों की इस श्रृंखला में जुड़ गया है। आकाश एमके1 और एमके1एस सभी मौसम में कम, मध्यम और ऊंचाई से प्रवेश करने वाले मध्यम दूरी के हवाई लक्ष्यों के खिलाफ एक वायु रक्षा हथियार प्रणाली (एयर डिफेंस वेपन सिस्टम) है लेकिन आकाश प्राइम मिसाइल को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह ऐसी परिस्थितियों से और भी बेहतर तरीके से निपट सके। 21 जुलाई 2021 को आकाश मिसाइल के अपडेटेड वर्जन 'आकाश-एनजी' (आकाश न्यू-जनरेशन) का भी सफल परीक्षण किया जा चुका है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) द्वारा विकसित किया गया और भारत इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) तथा भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) द्वारा इसका उत्पादन किया जा रहा है। सतह से हवा में मार करने वाली भारतीय वायुसेना के लिए बनाई गई 19 फुट लंबी, 720 किलोग्राम वजनी और 1.16 फुट व्यास वाली आकाश-एनजी मिसाइल अपने साथ 60 किलोग्राम वजन के हथियार ले जा सकती है और 20 किलोमीटर की ऊंचाई तक जाकर करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्य को भी भेद सकती है। इसकी रेंज 40 से 80 किलोमीटर है। आकाश सीरिज की यह मिसाइल दुश्मन को बचने की तैयारी का कोई अवसर नहीं देती क्योंकि इसकी गति 3.5 मैक अर्थात् 4321 किलोमीटर प्रतिघंटा है यानी यह महज एक सेंकेंड में ही सवा किलोमीटर की दूरी तय करती है। इस मिसाइल को बनाने की अनुमति वर्ष 2016 में मिली थी, जिसमें डुअल पल्स सॉलिड रॉकेट मोटर है, जो इसकी गति को बढ़ाती है। इसके अलावा इसमें एक साथ कई दुश्मन मिसाइलों या विमानों को स्कैन करने के लिए एक्टिव इलैक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड ऐरे मल्टी फंक्शन राडार (एमएफआर) लगा है। डीआरडीओ द्वारा अब सतह से हवा में आसानी से अपने लक्ष्य को भेद सकने में सक्षम आकाश मिसाइल के जिस नए संस्करण 'आकाश प्राइम' का सफल परीक्षण किया गया है, वह पहले से मौजूद आकाश मिसाइल प्रणाली से कई मायनों में आधुनिक और बेहतर है। 560 सेंटीमीटर लंबी तथा 35 सेंटीमीटर चौड़ी आकाश प्राइम मिसाइल में कई अत्याधुनिक साजो-सामान जोड़े गए हैं और यह मिसाइल 60 किलोग्राम वजन तक के विस्फोटक अपने साथ ले जाने की ताकत रखती है। यह भारत की बेहद शक्तिशाली और तीव्र गति से हमला करने वाली मिसाइल है। आकाश प्राइम में आकाश मिसाइल के पुराने वर्जन में कई महत्वपूर्ण सुधार करते हुए ग्राउंड सिस्टम तथा अत्यधिक ऊंचाई पर जाने के बाद तापमान नियंत्रण के यंत्र को अपग्रेड किया गया है। इसके अलावा रडार, ईओटीएस तथा टेलीमेट्री स्टेशन, मिसाइल ट्रैजेक्टरी और फ्लाइट पैरामीटर्स को भी सुधारा गया है। कुछ रक्षा विश्लेषकों के मुताबिक वास्तव में इसे आकाश एमके1एस को फिर से री-डिजाइन करके तैयार किया गया है, जिसका भारतीय सेना द्वारा पांच बार परीक्षण किया जा चुका है और आज के समय की मांग को देखते हुए आकाश प्राइम पूरी तरह सक्षम है। आकाश प्राइम में स्वदेशी एक्टिव आरएफ सीकर (रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर) लगा है, जो दुश्मन के टारगेट को पहचानने की सटीकता और इसकी मारक क्षमता को बढ़ाता है। आरएफ सीकर यह सुनिश्चित करता है कि मिसाइल जिस लक्ष्य पर दागी गई है, वह हिट हो। आकाश प्राइम मिसाइल अपने लक्ष्य को अधिक सटीक तरीके से भेदने में सक्षम है, जिसमें अधिक ऊंचाई वाले स्थानों में विषम जलवायु परिस्थितियों से निपटने के लिए रडार और ट्रैकिंग के साथ लांच सिस्टम के लिए कई अतिरिक्त फीचर्स भी मौजूद हैं।

नजरिया

नगा विद्रोहियों की मनमानी मांग के असली मायने

शशिधर खान, वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय आजादी के 'अमृत महोत्सव' माहौल में नगा विद्रोहियों का अलग 'झंडा और अलग संविधान' का हठ विष घोल रहा है। यह मांग पूरी करना भारत सरकार के लिए वर्तमान सांविधानिक ढांचे में असंभव है। संघर्ष-विराम पर सहमति 1997 में बनी थी, वह कोई समझौता नहीं है। उसमें राष्ट्रीय मोर्चा सरकार के प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा और इंद्रकुमार गुजराल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उसके बाद भाजपा गठजोड़ के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कोहिमा जाकर यहां तक कहा कि नगा समस्या के स्थायी समाधान के लिए वह संविधान संशोधन तक करने को तैयार हैं। वार्ताओं का दौर चलता रहा। भारत सरकार के दूत वार्ताकार के रूप में कभी एनएससीएन (आईएम) के दीमापुर मुख्यालय में, तो कभी विदेश जा-जाकर मिलते रहे । नरेंद्र मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद नगा संकट का हल प्राथमिकता के आधार पर निकालने की नीति अपनाई। पूर्व खुफिया प्रमुख आर एन रवि को वार्ताकार नियुक्त किया गया। 3 अगस्त, 2015 को 'फ्रेमवर्क डील' हुआ और एनएससीएन(आईएम) सुप्रीमो टी मुइवा ने दिल्ली आकर हस्ताक्षर भी किए। मई, 2019 में नरेंद्र मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बने और जुलाई में आर एन रवि को नगालैंड का राज्यपाल नियुक्त कर नगा संकट का स्थायी समाधान निकालने के लिए 31 अक्तूबर तक की डेडलाइन दे दी गई थी। उस समय से अब तक कई फेरबदल हुए हैं। आर एन रवि को नगालैंड से हटाकर तमिलनाडु का राज्यपाल बना दिया गया। नगा वार्ताकार के रूप में अक्षय मिश्रा को नियुक्त कर दिया गया। साल 1997 के पहले से चल रही वार्ताओं के तकरीबन 100 दौर हो चुके हैं, लेकिन हम समाधान तक नहीं पहुंचे हैं। भारत सरकार नगाओं की मांग पूरी करने के लिए संविधान संशोधन तो क्या, नया कानून बनाकर भी पूरी नहीं कर सकती। यह बात नगा नेता भी बखूबी समझते हैं। तो भारत सरकार नगाओं को क्या दे सकती है और हल कैसे निकाला जा सकता है, यह सवाल अभी निर्णायक मोड़ पर है। जब जम्मू-कश्मीर जैसे विशेष सांविधानिक दर्जा प्राप्त राज्य की 'अलग झंडा और अलग संविधान' वाली एक देश दो व्यवस्था भारत सरकार ने समाप्त कर दी, तब नगा नेताओं को अपने अड़ियल रवैये की जमीनी हकीकत समझनी पड़ेगी। गृह मंत्री अमित शाह ने गत हफ्ते अपने कश्मीर दौरे के क्रम में एक प्रकार से नगा नेताओं को भी स्पष्ट संदेश दिया है। अमित शाह ने जम्मू में श्यामा प्रसाद मुखर्जी और प्रेमनाथ डोगरा को याद करते हुए कहा कि इन दोनों नेताओं ने 1950 के दशक में नारा दिया था कि एक ही देश में दो झंडा दो संविधान तथा दो शासक जैसी व्यवस्था नहीं चल सकती। 15 से 20 अक्तूबर के बीच नगा वार्ताकार अक्षय मिश्रा ने नगा नेताओं को दिल्ली बुलाकर बातचीत की है। दिल्ली की मुलाकात में सात नगा गुटों के संयुक्त मंच एनएनपीजी (नगा नेशनल पोलिटिकल ग्रुप) के प्रतिनिधि शामिल थे। इस बात पर संशय बना रहा कि वार्ता में हार्डलाइनर एनएससीएन (आईएम) गुट का कोई प्रतिनिधि शामिल था या नहीं। एनएनपीजी प्रतिनिधियों के कोहिमा लौटने के कुछ दिनों बाद एनएससीएन (आईएम) की ओर से संदेश जारी हुआ कि नगा संगठन के रवैये में कोई बदलाव नहीं आया है। एनएनपीजी गुटों से भी सहमति पत्र पर समझौता करने में 2017 के वार्ताकार आर एन रवि को सफलता मिली थी। इस मंच के नगा नेता थोड़ा लचीला रुख अपनाने के पक्ष में हैं और 'अलग झंडा, अलग संविधान' पर अड़े रहने से पैदा हुए डेडलॉक कम करना चाहते हैं। सितंबर, 2021 के अंतिम सप्ताह में नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा को साथ लेकर एनएससीएन (आईएम) नेताओं से उनके मुख्यालय में मिले थे। उसके बाद वार्ताकार अक्षय मिश्रा भी मिलने गए, लेकिन लगता है कि आईएम ने टस से मस होने का संकेत भी नहीं दिया। शांति और वार्ता जारी रहे, लेकिन नगा संगठनों को ध्यान रखना चाहिए कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने तत्कालीन विद्रोही नेता फिजो को 1952 में ही कहा था, 'नगाओं को आजाद नगालिम मैं तो क्या, भारत का कोई भी प्रधानमंत्री नहीं दे सकता।'

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1 महीने के बाद बाजार में फिर लौटने जा रही रौनक, इन कंपनियों के आएंगेआईपीओ

बिजनेस डेस्क। करीब एक महीने के अंतराल के बाद प्राथमिक बाजार की रौनक फिर लौटने जा रही है। नवंबर के पहले पखवाड़े में पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस और पॉलिसीबाजार की मूल कंपनी पीबी फिनटेक सहित पांच कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आ रहे हैं। इन आईपीओ से 27,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटने की उम्मीद है। इस दौरान जिन तीन अन्य कंपनियों के आईपीओ आने हैं उनमें केएफसी और पिज्जा हट का परिचालन करने वाली सफायर फूड्स इंडिया, एसजेएस एंटरप्राइज और सिगाची इंडस्ट्रीज शामिल हैं। अभी सौंदर्य और वेलनेस उत्पादों के ऑनलाइन मार्केटप्लेस नायका का परिचालन करने वाली एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स लि. और फिनो पेमेंट्स बैंक के आईपीओ खुले हुए हैं। नायका का आईपीओ एक नवंबर और फिनो पेमेंट्स बैंक का आईपीओ दो नंवबर को बंद होगा। नायका को आईपीओ से 5,352 करोड़ रुपये और फिनो पेमेंट्स बैंक को 1,200 करोड़ रुपये जुटने की उम्मीद है। कुल मिलाकर इन सातों कंपनियों के आईपीओ से 33,500 करोड़ रुपये जुटने की उम्मीद है। इनसे पहले 29 सितंबर को आदित्य बिड़ला एएमसी का 2,778 करोड़ रुपये का आईपीओ आया था। लर्नऐप.कॉम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रतीक सिंह ने कहा, ''तेजड़िया बाजार में आईपीओ लाने वाली कंपनियों को अपने कारोबार पर बेहतर प्रीमियम और मूल्यांकन मिलने की उम्मीद होती है।'' उन्होंने कहा कि विशेषरूप से प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों को बेहतर प्रीमियम मिल रहा है। इस साल 2021 में अभी तक 41 कंपनियों ने आईपीओ से 66,915 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इनके अलावा पावरग्रिड कॉरपोरेशन द्वारा प्रायोजित पावरग्रिड इनविट ने आईपीओ से 7,735 करोड़ रुपये और ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट ने आईपीओ से 3,800 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

आधार ईकेवाईसी के जरिये भी अटल पेंशन योजना से जुड़ सकते हैं ग्राहक : पीएफआरडीए

नयी दिल्ली, पेंशन कोष नियामक पीएफआरडीए ने अतिरिक्त विकल्प के रूप आधार ईकेवाईसी के जरिये अटल पेंशन योजना के ग्राहकों को जोड़ने की अनुमति दे दी है। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने यह कदम अटल पेंशन योजना को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए उठाया है। पीएफआरडीए वर्तमान में ग्राहकों को भौतिक, नेट बैंकिंग और अन्य डिजिटल तरीकों से योजना से जुड़ने का विकल्प दे रहा है। पीएफआरडीए ने एक अधिसूचना में कहा, ''योजना की पहुंच को बढ़ाने और प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए) आधार ईकेवाईसी के रूप में एक अतिरिक्त विकल्प प्रदान करेगी। यह प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल होगी।'' इसके अलावा पीएफआरडीए ने कहा कि सभी अटल पेंशन योजना के खातों को आधार कार्ड से जोड़ा जाएगा। आधार को अटल पेंशन योजना से जोड़ने के लिए सीआरए एजेंसी एक प्रक्रिया तैयार करेगी।

अक्टूबर में बढ़ी टोयोटा किर्लोस्कर की बिक्री, कुल मिला कर बेचे इतने वाहन

बिजनेस डेस्क :

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने रविवार को कहा कि अक्टूबर महीने में उसकी घरेलू थोक बिक्री में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में एक प्रतिशत की वृद्धि हुई और उसने कुल 12,440 वाहन बेचे। टीकेएम ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने पिछले साल इसी महीने घरेलू बाजार में 12,373 इकाइयों की बिक्री दर्ज की थी। टीकेएम के एसोसिएट महाप्रबंधक (एजीएम) (बिक्री एवं रणनीतिक विपणन) वी डब्ल्यू सिगामणि ने कहा, ÷बाजार में मांग पिछले कुछ महीनों में मजबूत रही है। दबी मांग और कई अन्य वजहों से मांग बढ़ी है। ग्राहकों के ऑर्डर भी लगातार बढ़ रहे हैं, कोविड से पहले के समय की तुलना में मांग के रुझान में सामान्य स्थिति बहाल हो रही है।÷ उन्होंने साथ ही कहा कि अक्टूबर के महीने में कंपनी सितंबर, 2021 की तुलना में बिक्री 34 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

पीमएमसी बैंक के ग्राहकों को पहले चरण में नहीं मिलेगा पांच लाख रुपये का बीमा कवर

नयी दिल्ली.

पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक (पीएमसी बैंक) के चिंतित ग्राहकों को पहले चरण में पांच लाख रुपये तक का बीमा कवर नहीं मिलेगा। इसकी वजह है कि यह बैंक अभी समाधान प्रक्रिया में है। जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) पहली खेप में पीएमसी बैंक को छोड़ कर समाधान प्रक्रिया से गुजर रहे 20 बैंकों के ग्राहकों को भुगतान करेगा। पहले चरण में भुगतान के लिए 90 दिनों की अनिवार्य अवधि 30 नवंबर को समाप्त होगी। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जून में सेंट्रम फाइनेंशियल सर्विसेज और वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की स्टार्टअप भारतपे के गठजोड़ को संकट में फंसे पीएमसी बैंक के अधिग्रहण की अनुमति दी थी। इस अधिग्रहण का रास्ता साफ करते हुए रिजर्व बैंक ने इस महीने की शुरुआत में वित्तीय सेवा कंपनी के गठजोड़ को लघु वित्त बैंक का लाइसेंस दिया था। डीआईसीजीसी ने हाल में कहा था कि जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम (संशोधन) अधिनियम, 2021 की धारा 18 ए (7) (ए) के प्रावधानों को लागू करने की आवश्यकता हो सकती है। इन प्रावधानों के तहत यदि कोई बैंक समाधान प्रक्रिया के अधीन है, तो पांच लाख रुपये के भुगतान की अवधि को 90 दिनों के लिए और बढ़ाया जा सकता है।

एक हजार मेगावॉट की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए निविदा निकाल सकती है एसईसीआई

नयी दिल्ली,

भारतीय सौर ऊर्जा निगम लि. (एसईसीआई) एक पायलट परियोजना के रूप में 1,000 मेगावॉट क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) की स्थापना के लिए नवंबर में निविदा जारी कर सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पहले अक्टूबर में, एसईसीआई ने 1,000 मेगावॉट बीईएसएस की खरीद के लिए रुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किया था। बिजली सचिव की अध्यक्षता में 28 अक्टूबर, 2021 को विद्युत, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा एसईसीआई ने संयुक्त रूप से हितधारकों के साथ एक विचार-विमर्श का आयोजन किया था। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, बैठक में बैटरी निर्माताओं, प्रणाली का एकीकरण करने वालों और वित्तपोषण एजेंसियों सहित विभिन्न हितधारकों की अच्छी भागीदारी देखी गयी। इससे यह बात पता चलती कि भारत सरकार ने 4,50,000 मेगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने को लेकर सही दिशा में कदम उठाए हैं।

ज्यादतर भारतीय कंपनियां 2022 में अपने साइबर सुरक्षा बजट में वृद्धि करेंगी : सर्वेक्षण

नयी दिल्ली, साइबर खतरे को देखते हुए देश की लगभग 80 प्रतिशत कंपनियां वर्ष 2022 में अपने साइबर सुरक्षा बजट में वृद्धि कर सकती हैं। वैश्विक सलाहाकार कंपनी पीडब्ल्यूसी ने अपने एक सर्वेक्षण में यह बात कही। पीडब्ल्यूसी के 'डिजिटल ट्रस्ट इनसाइट्स-2022' सर्वे के अनुसार, जोखिम का खतरा लगातार बढ़ रहा है और कंपनियां अपने जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए साइबर सुरक्षा में पहले से कहीं अधिक निवेश कर रही हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, कई कंपनियों ने अपने साइबर जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए कई साइबर सुरक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकियों में निवेश किया है। सर्वेक्षण के अनुसार, ''सर्वेक्षण में 82 प्रतिशत कंपनियों ने 2022 में अपने साइबर सुरक्षा बजट में वृद्धि की संभावना जताई है। इसके अलावा देश में 41 प्रतिशत कंपनियां 2022 में अपने साइबर बजट में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद कर रही हैं।'' इस सर्वेक्षण में वैश्विक स्तर 3,602 व्यवसाय, प्रौद्योगिकी और सुरक्षा एवं अन्य क्षेत्रों के सुरक्षा कार्यकारियों की राय ली गई। इनमें मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), कॉरपोरेट निदेशक, मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) आदि शामिल हैं। सर्वेक्षण के भारतीय संस्करण में 109 कार्यकारियों की राय ली गई।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अच्छा बिजनेस कर रहे ओडीओपी प्रोडक्ट

लखनऊ।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट पर करीब 1,000 करोड़ रुपये मूल्य के लगभग 2 करोड़ एक जिला-एक प्रोडक्ट (ओडीओपी) आइटम बेचे गए हैं, जिससे उत्तर प्रदेश के लाखों छोटे कारीगरों और शिल्पकारों को फायदा हुआ है। कोविड - 19 महामारी 2020-21 के दौरान मार्केटप्लेस बड़े पैमाने पर बंद रहे ई-कॉमर्स वेबसाइटों ने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बाजारों और उपभोक्ताओं के बीच एक लिंक बनाया है। उत्तर प्रदेश के एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार सहित ओडीओपी उत्पादों के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करने के लिए ई-कॉमर्स वेबसाइटों के साथ एग्रीमेंट किया है, जिसके तहत काला नमक चावल जैसे उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेचा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकल फॉर वोकल मंत्र के तहत, ई-कॉमर्स वेबसाइटें अत्यधिक फायदेमंद साबित हुई हैं, खासकर महामारी के दौरान जहां अधिक लोग ऑनलाइन मार्केटप्लेस में ट्रॅन्स्फर हुए है। 2018 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक प्रमुख कार्यक्रम ओडीओपी योजना के तहत लाखों लोगों को इससे काफी फायदा हुआ है। सरकार ने 2020 में फ्लिपकार्ट के साथ ओडीओपी उत्पादों को वेबसाइट पर बेचने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, पहले ई-कॉमर्स वेबसाइट अमेजॅन के साथ एग्रीमेंट किया था। ओडीओपी के तहत 20,000 से अधिक उत्पाद प्लेटफॉर्म पर बेचे जाते हैं। ओडीओपी योजना 2018 में प्रत्येक जिले से एक विशेष उत्पाद की पहचान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी ताकि उद्योग को बढ़ावा देने और कारीगरों की मदद करने के लिए इसे बेहतर तरीके से प्रमोटेड, पैकेज्ड और मार्केटिंग किया जा सके। वर्तमान में कुछ जिले ऐसे हैं जहां लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा दिया जा रहा है।

कश्मीर : दुनिया के लिए सेब की टोकरी वाली जमीन

श्रीनगर/नई दिल्ली।

कश्मीरी सेब (सौवें) का इतिहास में कई बार उल्लेख किया गया है, सातवीं शताब्दी में एक चीनी तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग ने इस फल की मिठास के बारे में गीत लिखा और गाया था। कश्मीर के काफी ऊंचाई वाला समशीतोष्ण क्षेत्र को आदर्श फलों की खेती की भूमि के रूप में जाना जाता है। घाटी में अपने शासनकाल के दौरान, सुल्तान जैन-उल-अबिदीन (15 वीं शताब्दी) ने कई फलों के ग्राफ्ट आयात किए और उन्हें उगाने के लिए बाग लगाए। राजतरंगनी में कल्हण का ऐतिहासिक विवरण साबित करता है कि घाटी में सेब की खेती एक ऐसा मामला है जो 3,000 साल से अधिक पुराना है। 1,000 ईसा पूर्व में राजा नारा ने जरूरतमंदों के लिए पर्याप्त भोजन और छाया के लिए सड़कों, कृषि भूमि और जंगलों पर फल उगाने के लिए कहा। फलों की कई जंगली प्रजातियां अपनी प्राचीनता और घाटी के साथ संबंधों का संकेत देती हैं। आज सेब कश्मीर का पर्याय हैं, घाटी दुनिया की सेब की टोकरी है, जिसमें फलों की 113 किस्में उगाई जाती हैं। बागवानी घाटी के प्रमुख उद्योगों में से एक है - विशेष रूप से सेब उद्योग, जो कश्मीरी आबादी के 55 प्रतिशत के लिए आय का एक साधन है, जिससे सालाना 1,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता है। केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन उच्च घनत्व वाले बागों को स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जो बेहतर उपज किस्म के साथ अधिक पौधों को समायोजित करते हैं - ग्रेड-ए गुणवत्ता वाले सेब। कई जिलों ने हाल ही में परिदृश्य में बदलाव देखा है, ईंट भट्ठा बनाने वालों और धान के खेतों की सैकड़ों एकड़ जमीन को किसानों की मदद के लिए सेब के बागों में तब्दील कर दिया गया है। सरकार ने किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी के साथ संयंत्र और बुनियादी ढांचा स्थापित करने में मदद की है और कटिंग, प्रूनिंग, ग्रेडिंग आदि जैसे विषयों पर मुफ्त परामर्श दिया है। ये किसान सेब की फसल के लिए प्रति कनाल शिफ्टिंग में लगभग 1 लाख रुपये कमा रहे हैं। बागवानी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन घाटी के इस मीठे राजा को पैदा करने में किसानों की मदद करने के लिए नई वैज्ञानिक तकनीकों और तरीकों को बढ़ावा दे रहा है। वे यूरिया छिड़काव उद्देश्य, खुराक और समय जैसे विषयों पर उत्पादकों को शिक्षित करने, फसल रोगों पर गलत धारणाओं को दूर करने और उपज में एकरूपता लाने के लिए मुफ्त ज्ञान केंद्र स्थापित कर रहे हैं। सरकार ने ट्रैक्टर और स्प्रेयर जैसी कृषि मशीनों और प्रशिक्षित किसानों को विपणन और पैकेजिंग की जानकारी प्रदान की है। इसने उद्योग की आर्थिक रूपरेखा को बदल दिया है। आर्थिक मूल्य के अलावा, धान के खेतों को अधिक उपज वाले सेब के बागों में बदलने से रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। एक साल पहले केंद्र सरकार ने बागवानी क्षेत्र के लिए एमआईएस (विपणन हस्तक्षेप योजना) को मंजूरी दी थी, जो सेब किसानों को इष्टतम मूल्य और अर्थव्यवस्था को आवश्यक प्रोत्साहन सुनिश्चित करने के लिए जारी है। यह बीमा कवर भी प्रदान करता है, जिससे किसानों की आय स्थिर होती है। चूंकि इस योजना के तहत 12 एलएमटी (लाख मीट्रिक टन) सेब का उत्पादन किया जा सकता है, परिवहन, बगीचों की सफाई, लेबलिंग और वर्गीकरण जैसी सहायक सेवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। सितंबर 2019 में शुरू की गई टकर योजना की सेब किसानों ने सराहना की क्योंकि यह अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद घाटी में अशांति के बाद आशा की किरण थी। घाटी में कोल्ड स्टोरेज की सुविधा भी किसानों के लिए वरदान साबित हुई है - नुकसान को काफी हद तक कम किया गया है। कीमतों को एक सुंदर सीमा पर स्थिर किया गया है। 10 किलो सेब का डिब्बा गुणवत्ता के आधार पर 1,000 रुपये से 1,800 रुपये के बीच कहीं भी बिक जाता है। शोपियां, पुलवामा, लसीपोरा और उत्तर के कुछ अन्य क्षेत्रों में स्थित कोल्ड स्टोरेज में 2.5 एलएमटी सेब तक स्टोर किया जा सकता है। अब सेब सीधे राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) द्वारा उत्पादकों/एग्रीगेटर्स से इष्टतम कीमतों पर खरीदे जाते हैं और भुगतान बैंक के माध्यम से पार्टियों को तुरंत किया जाता है। बिचौलियों के बिना, भुगतान में देरी नहीं होने, और संकटग्रस्त बिक्री में कमी के कारण, किसान अपने बागों पर तनाव मुक्त ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

सर्राफा कारोबारियों को धनतेरस पर आभूषणों की बिक्री अच्छी रहने की उम्मीद

बिजनेस डेस्क।

भारतीय आभूषण बाजार में पुनरुद्धार के बीच सर्राफा कारोबारी इस साल धनतेरस पर जोरदार बिक्री की उम्मीद कर रहे हैं। कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका के कम होने के साथ त्योहारी सीजन को लेकर लोगों में जोश है और साथ ही इस समय में सोने की कीमतों में नरमी है। ऐसे में आभूषण बाजार में रौनक रहने की उम्मीद है। आभूषण उद्योग के एक निकाय ने कहा कि उम्मीद है कि इस साल त्योहारों पर आभूषणों की बिक्री 2019 के कोविड-पूर्व के स्तर पर पहुंच सकेगी। इसकी वजह इस समय 10 ग्राम सोने की कीमत 46,000-47,000 रुपये प्रति 22 कैरेट का होना है जो 2020 की तुलना में करीब पांच प्रतिशत कम है। साथ ही अब शादी-ब्याह आयोजनों में भी बढ़ोतरी हो रही है। ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल के अध्यक्ष आशीष पेठे ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'चूंकि नवरात्रि के बाद से बाजार में मांग दिख रही है। यह धनतेरस पर भी जारी रहेगी। इस साल महामारी के नियंत्रण में होने, सोने की कीमतें कम होने और शादी का सीजन तेज होने के साथ त्योहार को लेकर जोश बना हुआ है। इस साल अक्टूबर-नवंबर के महीनों की बिक्री पूरे साल की बिक्री में 40 प्रतिशत का योगदान देगी।'रत्न और आभूषण उद्योग के शीर्ष घरेलू निकाय को उम्मीद है कि 2021 में उद्योग-2019 के महामारी पूर्व के स्तर पर लौट आएगा। हालांकि, सोने की कीमत 2019 के स्तर से लगभग 20 प्रतिशत अधिक है। सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स लि. के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुवेन्कर सेन ने कहा, 'बिक्री के पिछले साल की तुलना में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कोविड-19 पूर्व के स्तर पर वापस आने की उम्मीद है। दो साल की मानसिक चिंता और चुनौतियों के बाद, ग्राहक खर्च करना चाहते हैं तथा अपनी खुशी और संपत्ति निर्माण के लिए आभूषणों में निवेश करना चाहते हैं।'

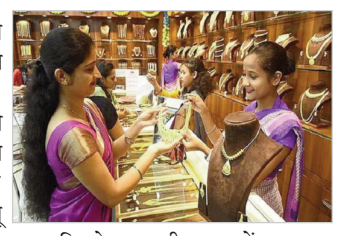

फिलहाल बड़े विलय एवं अधिग्रहण की योजना नहीं: स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज

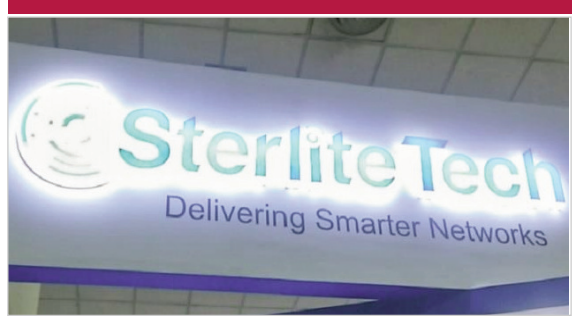

बिजनेस डेस्क।

स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज लि. (एसटीएल) अभी सक्रिय तरीके से बड़े विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) की तैयारी नहीं कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। हालांकि, कंपनी ने कहा है कि यदि किसी 'विशिष्ट क्षमता' को लेकर अधिग्रहण का अवसर मिलता है, तो वह उस पर विचार कर सकती है। स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) मिहिर मोदी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''अभी हमने अपने पोर्टफोलियो में अंतर को भर लिया है। फिलहाल हमारी बड़े और उल्लेखनीय अधिग्रहणों पर नजर नहीं है।'' कंपनी ने हाल में नेटवर्क एकीकरण कंपनी क्लियरकॉम ग्रुप और इटली की ऑप्टिकल इंटरकनेक्ट प्रोडक्ट कंपनी ऑप्टोटेक का अधिग्रहण किया है। मोदी ने कहा, ''यदि कोई विशिष्ट क्षमता से जुड़ा अवसर आता है, तो हम उस पर विचार कर सकते हैं।'' पिछले साल कंपनी ने घोषणा की थी कि वह 2.9 करोड़ यूरो (250 करोड़ रुपये) के उपक्रम मूल्य पर ऑप्टोटेक का अधिग्रहण करेगी। इस साल जुलाई में कंपनी ने 160 करोड़ रुपये के उपक्रम मूल्य पर क्लियरकॉम ग्रुप का अधिग्रहण करने की घोषणा की थी। सितंबर तिमाही में स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज का सालाना आधार पर एकीकृत शुद्ध लाभ 81 प्रतिशत बढ़कर 106 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। तिमाही के दौरान कंपनी की आय 30 प्रतिशत बढ़कर 1,508 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

मैकओएस मोंटेरे अपडेट से यूएसबी हब के साथ कनेक्टिविटी में आ रही है समस्या

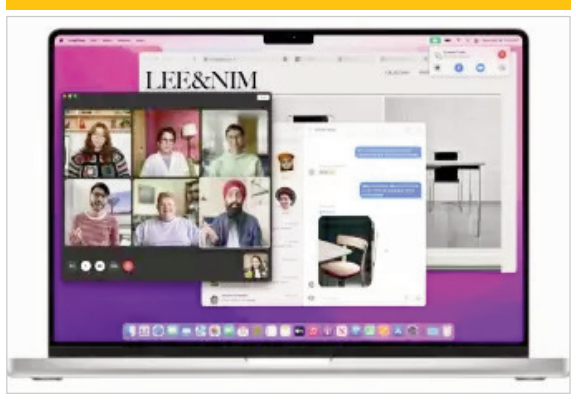

सैन फ्रांसिस्को।

मैकओएस मोंटेरे को अपडेट करने वाले कई यूजर्स शिकायत कर रहे हैं कि अपग्रेड के बाद हब और डॉक सहित यूएसबी डिवाइस काम नहीं कर रहे हैं। मैकोज मोंटेरे ऐप्पल के डेस्कटॉप और लैपटॉप ऑपरेटिंग सिस्टम का अगला वर्जन है जो पिछले मैकोज बिग सुर की जगह लेता है। इसे जून में डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी 2021 में लेटेस्ट ऐप्पल इकोसिस्टम अपडेट के साथ पेश किया गया था। कुछ यूजर्स ने नोट किया कि मैकओएस मोंटेरी विशेष रूप से यूएसबी 3.0 डिवाइस के साथ समस्या आ रही है। कुछ यूजर्स का यूएसबी हब अब बिल्कुल भी काम नहीं कर रहा है, जबकि अन्य के लिए उनके हब के एचडीएमआई और यूएसबी-सी पोर्ट काम कर रहा है। एक यूजर्स ने एप्पल के डेवलपर फोर्म पर लिखा है, मैं मोंटेरे स्थापित करने के बाद से हब के यूएसबी 2.0 या 3.0 पोर्ट के माध्यम से ट्रैकबॉल या कीबोर्ड को हब से कनेक्ट नहीं कर सकता। एक और यूजर्स ने कहा, मेरे यूएसबी-सी हब में इस अपडेट के साथ समस्याएं आ रही हैं। मेरी दूसरी स्क्रीन से जुड़ा एचडीएमआई पोर्ट हब पर काम कर रहा है लेकिन यूएसबी 3 पोर्ट्स में से कोई भी काम नहीं कर रहा है। कुछ मामलों में, यूएसबी हब काम करने लगते हैं, पावर डिलीवरी पोर्ट काम नहीं कर रहा है, जबकि कुछ के लिए बाहरी डिस्प्ले के लिए एडिशनल कनेक्टिविटी काम नहीं कर रहा है।

एनटीपीसी ने 9.3 लाख टन बायोमास पेलेट का ऑर्डर दिया

नयी दिल्ली,

सरकारी बिजली कंपनी एनटीपीसी ने विद्युत संयंत्रों में 'को-फायरिंग' के लिए 9,30,000 टन बायोमास पेलेट का ऑर्डर दिया है जिससे वायु गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी। बायोमास पेलेट बायोमास ईंधन का एक प्रकार हैं जो आमतौर पर लकड़ी के अपशिष्ट, जंगलों से मिलने वाले अवशिष्ट आदि से बनाया जाता हैं। वहीं को-फायरिंग का मतलब बिजली के उत्पादन के लिए कोयले और बायोमास ईंधन के मिश्रण के दहन से है। बिजली मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि इसके अलावा हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश अपने विद्युत संयंत्रों में को-फायरिंग के लिए 13,01,000 टन बायोमास पेलेट खरीद रहे हैं। बिजली सचिव आलोक कुमार ने 28 अक्टूबर को ताप विद्युत संयंत्रों में बायोमास को-फायरिंग की स्थिति की समीक्षा बैठक की थी। बैठक में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, एनटीपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधि, राष्ट्रीय जैव मिशन के मिशन निदेशक और विद्युत मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए थे। बैठक में यह सामने आया कि बिजली मंत्रालय द्वारा की गयी विभिन्न कार्रवाइयों के चलते एनटीपीसी और विभिन्न राज्यों द्वारा बायोमास की खरीद के लिए पहल की गयी है। एनटीपीसी ने 8,65,000 टन बायोमास पेलेट का ऑर्डर दिया, जिसके लिए आपूर्ति पहले से ही प्रगति पर है। इसके अलावा, एनटीपीसी ने अक्टूबर, 2021 में 65,000 टन का अतिरिक्त ऑर्डर दिया है।

टी 20 विश्व कप: अफगानिस्तान के गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी, नामीबिया को 62 रन से हराया

दुबई (एजेंसी)।

पाकिस्तान से मिली हार के बाद अफगानिस्तान कमर कस कर नामीबिया के खिलाफ मैदान में उतरी। अफागानिस्तान के तेज गेंदबाजों के सामने नामीबिया की पूरी टीम बिखर गयी। आईसीसी टी20 विश्व कप में नामीबिया के खिलाफ अफगानिस्तान आज का मुकाबला अफागानिस्तान ने जीता। अफगानिस्तन ने नामीबिया के खिलाफ टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 160 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। वहीं नामीबिया 100 रन भी पूरे नहीं कर सकी। नामीबिया ने 98 रन 9 विकेट खो कर बनाये।

अफगानिस्तान ने अच्छी शुरूआत के बाद मोहम्मद शहजाद के 45 रन की मदद से रविवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण के ग्रुप दो मैच में नामीबिया के खिलाफ टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 160 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। शहजाद के अलावा टीम के लिये हजरतुल्लाह जजई ने 33, कप्तान मोहम्मद नबी ने नाबाद 32 और असगर अफगान ने 31 रन की उपयोगी पारियां खेलीं। जजई (33 रन) और शहजाद ने पावरप्ले में बिना विकेट गंवाये 50 रन बनाकर अच्छी शुरूआत की। इस साझेदारी में जजई काफी आक्रामक थे। पर पावरप्ले के अगले ही ओवर में वह जेजे स्मिट का शिकार हो गये। उन्होंने 27 गेंद का सामना करते हुए अपनी पारी में चार चौके और दो छक्के जमाये।

रहमनुल्लाह गुरबाज क्रीज पर उतरे और आठ गेंद खेलने के बाद जान निकोल लोफ्टी ईटन की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। शहजाद एक एक रन के साथ बीच में शॉट लगाते हुए अपने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन रूबेन ट्रंपलमैन (34 रन देकर दो विकेट) की गेंद को विकेटकीपर के पीछे भेजने के प्रयास में विकेट गंवा बैठे और अर्धशतक से पांच रन से चूक गये। उन्होंने 33 गेंद में तीन चौके और दो छक्के से 45 रन बनाये। अफगानिस्तान ने इस तरह तीसरा विकेट 89 रन के स्कोर पर गंवाया। असगर अफगान के 15वें ओवर में लगाये गये छक्के से अफगानिस्तान से 100 रन पूरे किये। लोफ्टी ईटन (21 रन देकर दो विकेट) की पगबाधा की अपील का रिव्यू लेने के बाद नजीबुल्लाह जदरान (07) पवेलियन लौट गये जो 11 गेंद ही खेल सके थे।

इस मैच के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाले अफगान 31 रन बनाकर ट्रंपलमैन का दूसरा शिकार बने। उन्होंने 23 गेंद में तीन चौके और एक छक्का लगाया। जब वह

मैदान से पवेलियन की ओर लौट रहे थे तो सभी खिलाड़ियों ने उनसे हाथ मिलाये और मैदान पर अफगानिस्तान के प्रशंसकों ने हाथ से सलामी दी। टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया। अंत में मोहम्मद नबी ने 17 गेंद में पांच चौके और एक छक्के से 32 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया।

चेन्नई सुपरकिंग्स ने स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को सम्मानित किया, एक करोड़ रुपये का चैक सौंपा

झांसी (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। तीन बार के इंडियन प्रीमियर लीग चैंपियन (आईपीएल) चेन्नई सुपरकिंग्स ने तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को उनकी एतिहासिक उपलब्धि के लिए रविवार को एक करोड़ रुपये का चैक देकर सम्मानित किया। ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी चोपड़ा को चेन्नई सुपर किंग्स क्रिकेट लिमिटेड की ओर से यहां एक करोड़ रुपये का चैक सौंपा गया।

यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार सीएसके ने चोपड़ा के सम्मान में उन्हें 8758 नंबर (तोक्यो में 87.58 मीटर के स्वर्ण पदक के प्रयास के आधार पर) की जर्सी भी सौंपी। चोपड़ा अभिनव बिंद्रा के बाद भारत के सिर्फ दूसरे व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। सीएसके के सीईओ केएस विश्वनाथन ने कहा, ''शानदार उपलब्धि के लिए पूरे देश को नीरज पर गर्व है। ट्रैक एवं फील्ड में स्वर्ण पदक जीतने वाला पहला भारतीय बनकर उन्होंने मापदंड स्थापित किए हैं।''

उन्होंने कहा, ''वह अगली पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं। 87.58 की संख्या हमेशा के लिए भारतीय खेलों के इतिहास में दर्ज हो गई है और नीरज को यह विशेष जर्सी सौंपना हमारे लिए सम्मान की बात है।'' पुरस्कार और विशेष जर्सी लेने के बाद 23 साल के चोपड़ा ने कहा कि पिछले दो महीने उनके लिए नई चीजों का अनुभव करने का मौका रहा। उन्होंने सीएसके प्रबंधन को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा, ''आपके समर्थन और पुरस्कार के लिए धन्यवाद।

काफी अच्छा लग रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि स्वर्ण पदक जीतने के बाद मुझे इतना प्यार मिलेगा। इसकी उम्मीद नहीं थी और काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। उम्मीद करता हूं कि मैं और कड़ी मेहनत करूंगा और अच्छे नतीजे हासिल करूंगा।'' तोक्यो में सात अगस्त को 87.58 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर चोपड़ा ओलंपिक खेलों की एथलेटिक्स स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे।

राजस्थान रॉयल्स ने बेन स्टोक्स को टीम में आगे भी बनाए रखने के संकेत दिए

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की ओर से राजस्थान रॉयल्स ने इंग्लैंड की काउंटी टीम डरहम के बेन स्टोक्स की नेट प्रैक्टिस को रिलीज करते हुए इसके पुख्ता संकेत दे दिए कि उनकी टीम में कौन बना रह सकता है। राजस्थान रॉयल्स ने नेट्स पर बेन स्टोक्स के वीडियो को री-ट्वीट किया है जिससे संकेत मिलता है कि वो आईपीएल के अगले सीजन में इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी को मैच से पहले बरकरार रख सकती है।

वीडियो में स्टाइलिश बाएं हाथ के बल्लेबाज को धाराप्रवाह पुल शॉट और ड्राइव शॉट खेलते हुए दिखाया गया है। इससे ये भी साबित होता है कि वह पिछले दिनों फ्रैक्च र के बाद अपनी उंगली की सर्जरी से पूरी तरह से ठीक हो गए हैं। राजस्थान रॉयल्स ने वीडियो के साथ जो ट्वीट किया उसमें लिखा है, रविवार सेंट (आर) ओके। रॉयल्स परिवार, बेनस्टोक्स 38। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा नहीं की गई है कि लेकिन आठ मौजूदा आईपीएल टीमों के अधिकतम चार खिलाड़ियों को बनाए रखने की संभावना है। दो नई फ्रेंचाइजी - लखनऊ और अहमदाबाद - ड्राफ्ट के माध्यम से बाकी खिलाड़ी पूल से तीन खिलाड़ियों को हासिल करने में सक्षम होंगी। साल ही, 2018 सीजन से पहले पिछली बड़ी नीलामी के विपरीत, संभवत जनवरी 2022 में होने वाली नीलामी के दौरान कोई राइट-टू-मैच कार्ड (आरटीएम) नहीं हो सकता है। वीडियो के सामने आते है रॉयल्स के प्रशंसकों के विचारों की झड़ी लग गई। इनमें से ज्यादातर लोगों का मानना था कि राजस्थान रॉयल्स में स्टोक्स को निश्चित रूप से बनाए रखा जाना चाहिए, जबकि अन्य ने कहा कि जोफ्रा आर्चर, जोस बटलर और संजू सैमसन को अगले सीजन के लिए टीम में होना चाहिए।

टी20 विश्व कप: इंग्लैंड की नजरें सेमीफाइनल पर, श्रीलंका करेगा वापसी की कोशिश

शारजाह (एजेंसी)।

शानदार लय में चल रही इंग्लैंड की टीम आईसीसी टी20 विश्व कप में ग्रुप एक चरण के मुकाबले में सोमवार को यहां जब श्रीलंका के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश सेमीफाइनल में जगह पक्की करने पर होगी। इंग्लैंड को टूर्नामेंट में पहले ही खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था और टीम ने अपने शुरुआती तीन मुकाबले उसी अंदाज में खेले है। इसमे शनिवार को चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रभावशाली जीत भी शामिल है।

इयोन मोर्गन की अगुवाई वाली टीम सभी कमजोर कड़ियों को पूरा करके यहां पहुंची है। उनके पास टीम के खिलाड़ियों का विकल्प भी है लेकिन अभी तक उनके इस्तेमाल की जरूरत नहीं पड़ी है। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आठ

विकेट की प्रभावशाली जीत के साथ दूसरी टीमों को यह संदेश भी दे दिया की उन्हें खिताब का दावेदार क्यों माना जा रहा है। इंग्लैंड के नॉक आउट चरण में पहुंचे की प्रबल संभावनाओं का एक और कारण सलामी बल्लेबाज जोस बटलर का शानदार लय है। ऑस्ट्रेलिया के विश्व स्तरीय गेंदबाज उनकी ताबड़तोड़ नाबाद पारी को रोकने में पूरी तरह विफल रहे। इंग्लैंड के लिए चिंता की बात सिर्फ मध्यक्रम की लय है। तीन मैचों में बड़ी जीत के कारण मध्यक्रम को बल्लेबाजी का ज्यादा मौका नहीं मिला है लेकिन कप्तान मोर्गन को भरोसा है कि जरूरत के समय ये बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन करेंगे। मोर्गन को भले ही बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला हो लेकिन उनकी कप्तानी शानदार रही है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आरोन फिंच की कमजोरी का फायदा उठाने के लिए उन्होंने लेग स्पिनर आदिल राशिद से गेंदबाजी की शुरुआत करायी। इस मैच से पहले मोईन अली यह जिम्मा उठाते थे। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी गेंदबाजी की जरूरत नहीं पड़ी। तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स नयी गेंद से इस मैच में शानदार थे और क्रिस जॉर्डन ने भी तीन विकेट लेकर लय में आने के संकेत दिये। आखिरी ओवरों के विशेषज्ञ टाइमल मिल्स ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ थोड़े महंगे थे लेकिन वह पूरे टूर्नामेंट में विकेट लेने में सफल रहे हैं। काम चालऊ स्पिनर लियाम लिविंगस्टोन ने भी टीम के लिए अच्छा काम किया है, जिससे मोर्गन को गेंदबाजी में एक और अच्छा विकल्प मिला है। शारजाह में इंग्लैंड के दबदबे को रोकने के लिए श्रीलंका को कुछ खास करना होगा। श्रीलंकाई खिलाड़ियों की अनुभवहीनता को देखते हुए, टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन को खराब नहीं आका जायेंगा।

भारतीय जीएम इनियान ने सर्बिया में शतरंज टूर्नामेंट जीता

अरानडेलोवाक (सर्बिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियान शनिवार को यहां पांचवें रूजना जोरा शतरंज टूर्नामेंट में नौ दौर में सात अंक जुटाकर विजेता रहे। उन्होंने हाल में स्पेन में ए टूर्नामेंट खेला था जिससे वह एक ईएलओ अंक जुटाने में सफल रहे थे। उनकी मौजूदा फ़िडे रेटिंग 2556 अंक है। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने पांच जीत दर्ज की और चार ड्रा खेले। उन्हें एक भी मैच में हार नहीं मिली। वह दूसरे स्थान पर रहे रूस के मास्टर मकारियान रूडिक से आधा अंक आगे रहे।

मेरे सपने हो रहे साकार: दीपा मलिक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टोक्यो पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन कर अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस कामयाबी पर खुशी जताते हुए भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) की अध्यक्ष दीपा मलिक को लगता है कि उनके सपने साकार हो रहे हैं, क्योंकि पैरा-एथलीटों को भी उनकी खेल की वजह से बराबर सम्मान और प्रशंसा मिल रही है।

टोक्यो पैरालिंपिक 24 अगस्त से 5 सितंबर तक आयोजित किया था, लेकिन पैरा-एथलीटों के प्रदर्शन को देखते हुए राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की घोषणा में देरी हुई। भारत ने पैरालिंपिक में जबरदस्त प्रदर्शन किया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में पांच स्वर्ण सहित 19 पदक हासिल किए। इन पदकों के साथ भारत 24वें स्थान रहा, जो अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है।

इसलिए, स्वर्ण पदक जीतने वाले सभी पांच पैरा-एथलीटों, प्रमोद भगत (बैडमिंटन), सुमित अंतिल (एथलेटिक्स), अवनी लेखारा (शूटिंग), कृष्णा नगर (बैडमिंटन) और मनीष नरवाल (शूटिंग) को भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए चुना गया है।

वहीं, आठ पैरालिंपियन, योगेश कथुनिया (चक्का फेंक), निषाद कुमार (हाई जम्प), प्रवीण कुमार (हाई जम्प), शरद कुमार (हाई जम्प), सुहास एलवाई (बैडमिंटन), सिंहराज अधाना (शूटिंग), भावना पटेल (टेबल टेनिस)) और हरविंदर सिंह (तीरंदाजी) को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया है।

दीपा मलिक ने आईएएनएस को बताया, हमें एक मौका दें

और हम अपनी क्षमता दिखाएंगे। हाल में ही पीएम मोदी और सभी खेल मंत्रियों ने पैरालंपिक में किए शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाया। साथ ही पैरा-एथलीटों को सम्मान भी दिया गया। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए सपना है जो मैंने तब देखा था जब मैंने 16 साल पहले पैरा-एथलीट के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना शुरू किया था। उन्होंने आगे कहा, मैं अपने सपने को साकार होते देख रही हूं और मैं भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष के रूप में खुश हूं, मैं बदलाव का एक छोटा सा हिस्सा बन सकती हूं।

बावुमा ने कहा, डिकॉक से जुड़ा विवाद उनके दिमाग में था

शारजाह (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने कहा कि श्रीलंका के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के दौरान तनावपूर्ण क्षणों में क्विंटन डिकॉक के घुटने के बल नहीं बैठने से जुड़ा विवाद उनके दिमाग में था। बावुमा ने अपनी टीम की दूसरी जीत पर राहत की सांस भी ली। डेविड मिलर ने आखिरी ओवर में दो छक्के लगाये जिससे दक्षिण अफ्रीका ने वानिंदु हसरंगा की हैट्रिक के बावजूद जीत दर्ज की।

बावुमा ने मैच के बाद कहा, ''पिछले कुछ दिनों में जो कुछ हुआ है, उसे भुलाना काफी मुश्किल है। यह बात दिमाग में थी लेकिन हमें अपने काम पर ध्यान देना था। मैं थोड़ा तनाव में था।'' वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार को मैच से कुछ घंटे पहले क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने अचानक निर्देश जारी किया कि सभी खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के दौरान प्रत्येक मैच से पहले घुटने के बल बैठना होगा जिससे विवाद खड़ा हो गया। सीनियर बल्लेबाज डिकॉक ने इसका पालन नहीं किया और मैच से हटने का फैसला किया, लेकिन ब्लैक लाइव्स मैटर (बीएलएम) आंदोलन के समर्थन में ऐसा करने की सहमति जताने के बाद वह श्रीलंका के खिलाफ शनिवार के मैच में खेले। मैच के बारे में बावुमा ने कहा

कि उन्हें मिलर पर पूरा भरोसा था। उन्होंने कहा, ''डेविड ने लंबे समय से हमारे लिये ऐसी पारी नहीं खेली थी। श्रेय उन्हें जाता है। वह बहुत करारे शॉट जमाते हैं।'' श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने लाहिरू कुमारा को आखिरी ओवर देने के फैसले का बचाव किया जिस पर मिलर ने दो छक्के और कैगिसो रबाडा ने विजयी चौका लगाया। उन्होंने कहा, ''लाहिरू का बचाव करने के लिये मेरे पास पर्याप्त कारण हैं। वह यार्कर करता है और अभ्यास मैचों में उसने शानदार प्रदर्शन किया था और इसलिए मैंने उसे गेंद सौंपी। श्रेय दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को जाता है। उन्होंने मैच का बहुत अच्छा अंत किया।

पाकिस्तान जब भारत से खेल रहा था तब वेंटीलेटर पर थी बाबर की मां

कराची। पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम पिछले रविवार को दुबई में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप में जब मैच विजेता पारी खेल रहे थे तब उनकी मां वेंटीलेटर (जीवन रक्षक प्रणाली) पर थी। इस बात का खुलासा कप्तान के पिता आजम सिद्दीकी ने शनिवार को किया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तब भारत के खिलाफ नाबाद 68 रन की पारी खेली, जबकि उनकी मां को आपरेशन के बाद वेंटिलेटर पर रखा गया था। बाबर के पिता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक संदेश पोस्ट किया है जिसमें कहा गया है कि पाकिस्तान के कप्तान विश्व कप के तीनों मैच में बेहद तनावपूर्ण स्थिति में थे।आजम सिद्दीकी ने इंस्टाग्राम पर लिख, ''यह मेरे देश के लिए कुछ सच्चाई जानने का समय है। तीनों मैचों में जीत पर आप सभी को बधाई। हमारा परिवार एक बड़ी परीक्षा से गुजर रहा था। जिस दिन भारत के खिलाफ मैच था, उस दिन बाबर की मां वेंटिलेटर पर थी।

आस्ट्रेलिया अब भी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत अच्छी टीम: आरोन फिंच

दुबई। (एजेंसी)।

कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि आस्ट्रेलिया अब भी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत अच्छी टीम है और वे इंग्लैंड से मिली हार का असर टी20 विश्व कप के आगामी मैचों में नहीं पड़ने देंगे। इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 125 रन पर समेट दिया था और फिर यह लक्ष्य 11.4 ओवर में हासिल कर आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज की। अब आस्ट्रेलिया का सामना चार नवंबर को बांग्लादेश और छह नवंबर को वेस्टइंडीज से होगा। फिंच ने कहा कि वे सुपर 12 के अंतिम दो मैचों में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरत सकते। फिंच ने शनिवार को मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''हमारे पास तरोताजा होकर फिर से ऊर्जावान होने के लिये कुछ दिन हैं।

श्रीलंका के खिलाफ मैच के बाद आज यह काफी तेज बदलाव रहा। ग्रुप में काफी अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं। मैं इस बारे में चिंतित नहीं हूं कि हम इस मैच में मिली हार का असर एक अलग मैच में और पूरी तरह से अलग टीम पर पड़ने देंगे।'' उन्होंने कहा, ''इन मैचों में हमें निश्चित रूप से जीत दर्ज करनी होगी। मुझे लगता है कि नेट रन रेट पर आज के मैच का काफी खराब असर पड़ा। इसलिये हमें फिर से अपना सर्वश्रेष्ठ करना होगा।'' फिंच ने कहा, ''बांग्लदेश की टीम भी काफी अच्छी है और वेस्टइंडीज की टीम में भी काफी अनुभव है इसलिये अब हमारे लिये दोनों मैचों में जीत हासिल करना जरूरी है। लेकिन हम इसके लिये तैयार हैं।'

आस्ट्रेलिया ने शुरूआती दो मैचों में दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका को मात दी थी लेकिन तीसरे मैच में उसे इंग्लैंड से हार मिली। टी20 विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, भारत और इंग्लैंड से लगातार पांच श्रृंखलायें गंवायी थीं। फिंच ने कहा, ''हम दुनिया की नंबर एक टीम थे, इसमें ज्यादा लंबा समय नहीं हुआ है इसलिये मुझे अब भी लगता है कि हम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत अच्छी टीम हैं।

अफगानिस्तान के बल्लेबाज असगर अफगान नामीबिया मैच के बाद संन्यास लेंगे

अबुधाबी। अफगानिस्तान के सीनियर बल्लेबाज असगर अफगान रविवार को यहां नामीबिया के खिलाफ अपनी टीम के टी20 विश्व कप सुपर 12 मैच के बाद खेल क सभी प्रारूपों से संन्यास ले लेंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को अपने ट्विटर हैंडल पर इसकी घोषणा की। बोर्ड ने लिखा, ''अफगानिस्ता के पूर्व कप्तान असगर अफगान ने नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का फैसला किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

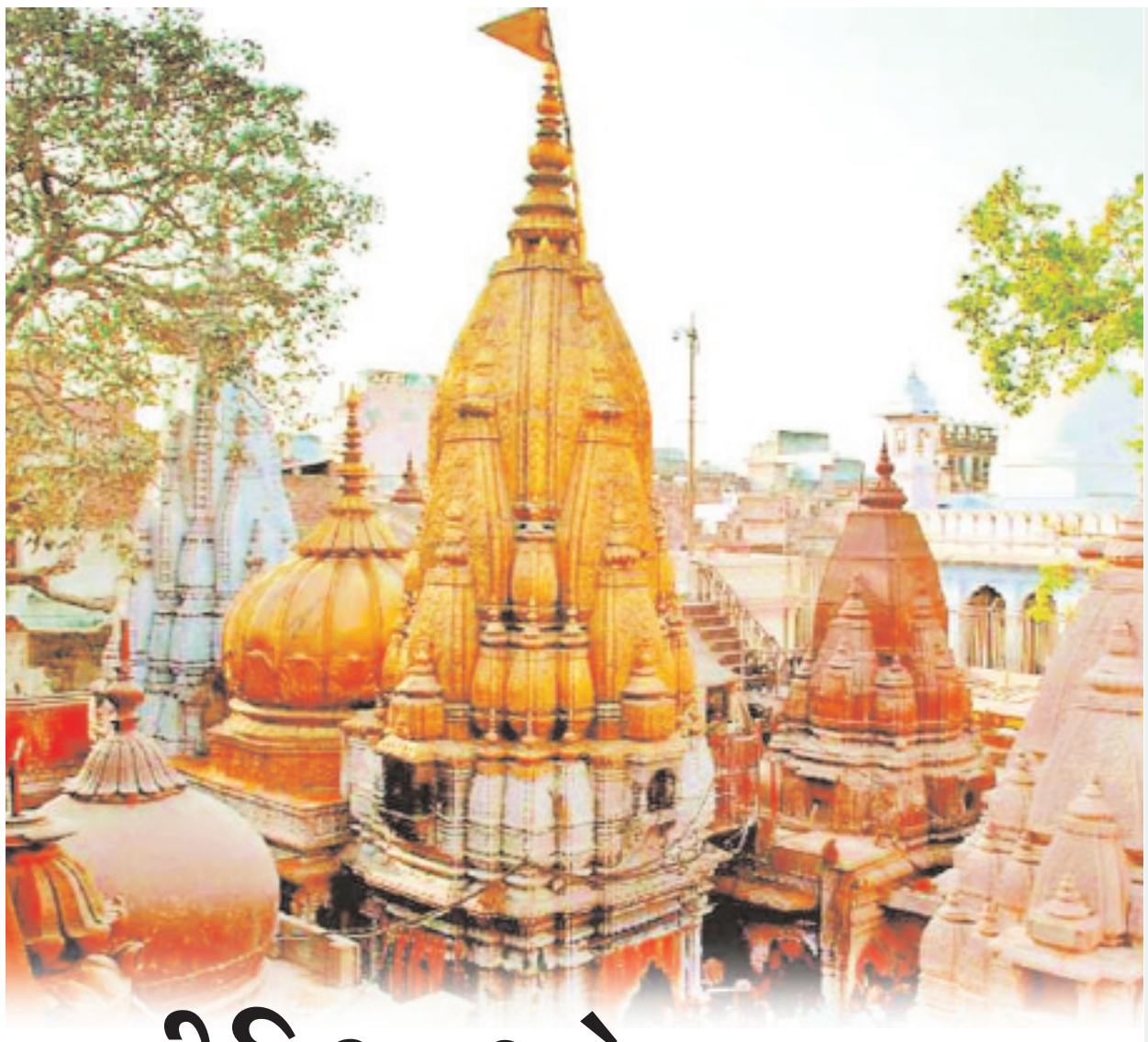

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्करणी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यव्था की गई है। यह शहर सुप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

ज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलत: ांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, ीला और पीला। काले और सफेद को ग मानना हमारी मजबूरी है जबकि ाह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही मुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और ीला। आपने आग जलते हुए देखी ोगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते ं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को ाहत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, ुसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए ं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, ुसरिया या भगवा का उपयोग भी कर ाकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे :**

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

सार समाचार

सिंगापुर में कोरोनावायरस के 3,112 नए मामले

सिंगापुर। सिंगापुर में शनिवार को कोरोनावायरस के 3,112 नए मामले सामने आए, जिससे देश में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,95,211 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय (एमओएच) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, नए मामलों में से, 2,608 समुदाय में थे, 500 प्रवासी श्रमिक छात्रावास में थे और चार बाहरी मामले थे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कोरोनावायरस के वर्तमान में कुल 1,627 मामले हैं। 267 मामले सामान्य वार्ड में हैं, जिन्हें ऑक्सीजन की आवश्यकता है। 69 मामले अस्थिर हैं और आईसीयू में निगरानी में हैं। कोरोना संक्रमण के कारण जटिलताओं से चौदह संक्रमितों की मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 394 हो गई। मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि सिंगापुर में पात्र व्यक्ति 30 अक्टूबर से सिनोवैक-कोरोनावैक वैक्सीन ले सकते हैं। इसके बाद 23 अक्टूबर को सिंगापुर सरकार के बहु-मंत्रालय कार्यबल की घोषणा के बाद 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम (एनवीपी) में टीका शामिल करने की घोषणा की गई। और जो`फठअ के टीके लगाने में असमर्थ हैं। एमओएच ने कहा कि उसके अध्ययन से पता चला है कि टीकाकरण बूस्टर कोविड -19 संक्रमण और गंभीर बीमारी के खिलाफ महत्वपूर्ण अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करते हैं।

पाकिस्तान में साइबर हमला, बैंक सेवाओं को किया बाधित

नई दिल्ली। अधिकारियों ने नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान (एनबीपी) पर एक साइबर हमले का पता लगाया है, जिसने बैंक की सेवाओं को बाधित किया है। डॉन न्यूज ने बैंक के एक बयान के हवाले से कहा, 29 अक्टूबर की देर रात और 30 अक्टूबर की सुबह, एनबीपी के सर्वर पर एक साइबर हमले का पता चला, जिसने बैंक की कुछ सेवाओं को प्रभावित किया। इसमें कहा गया है कि प्रभावित प्रणालियों को ठीक करने के लिए तत्काल कदम उठाए गए है। बैंक के बयान में कहा, किसी भी ग्राहक या वित्तीय डेटा से समझौता नहीं किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय संसाधनों सहित उद्योग के अग्रणी विषय विशेषज्ञों का उपयोग कर के उपचार के प्रयास जारी हैं। अभी भी ग्राहकों के लिए एनबीपी की सेवाएं बाधित हैं, हम समस्याओं को दूर करने के लिए काम कर रहे हैं और विश्वास है कि आवश्यक ग्राहक सेवाएं सोमवार सुबह तक बहाल कर दी जाएंगी। हम इस असामान्य स्थिति में अपने ग्राहकों की समझदारी के लिए आभारी हैं। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है। एसबीपी ने एक ट्वीट में कहा, एनबीपी ने कोई डेटा उल्लंघन या वित्तीय नुकसान नहीं देखा है। यह कहते हुए कि किसी अन्य बैंक ने ऐसी घटना की सूचना नहीं दी है। केंद्रीय बैंक ने कहा, एसबीपी बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा और सुदृढ़ता सुनिश्चित करने के लिए स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है।

फिलिस्तीन ने आपातकाल की समयसीमा को बढ़ाया

रामल्लाह। फिलस्तीन ने कोरोना वायरस से संबंधित आपात स्थिति को ताजा मामलों और मौतों में कमी के बावजूद एक और महीने के लिए बढ़ा दिया है। समाचार एजेंसी ने राज्य मीडिया के हवाले से बताया कि फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास द्वारा जारी एक फरमान में, आपातकाल की स्थिति को शनिवार से तुरंत प्रभावी कर दिया गया ताकि वायरस के प्रसार को रोका जा सके। फिलिस्तीनी क्षेत्रों में कोरोनावायरस के पहले मामलों की खोज के बाद पहली बार मार्च 2020 में आपातकाल की स्थिति जारी की गई थी और तब से हर महीने इसे बढ़ाया या फिर से घोषित किया गया है। राज्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अब्बास ने सक्षम अधिकारियों से कोरोनावायरस से उत्पन्न जोखिमों का सामना करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने और सुरक्षा और स्थिरता प्राप्त करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का आह्वान किया। इस बीच, फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बीते 24 घंटे में कोरोनावायरस के 210 मामले सामने आए जबकि 7 लोगों की मौत हो गई है। बयान में कहा गया है कि पिछले कुछ हफ्तों की तुलना में हाल के दिनों में मौतों और नए मामलों में गिरावट आई है।

म्यांमार में कोरोनावायरस के 499,321 मामले सामने आए

यांगून,। म्यांमार में बीते 24 घंटे में कोरोनावायरस के 716 नए मामले सामने आए, जिससे कोरोना मामलों की संख्या बढ़कर 4,99,321 हो गई है। ये आंकड़े स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति से सामने आए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि शनिवार को दैनिक परीक्षण पॉजिटिविटी दर 3.82 प्रतिशत दर्ज की गई और कोरोना के अब तक 48.4 लाख से ज्यादा नमूनों का परीक्षण किया गया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बीते 24 घंटे में कोरोनावायरस से 20 नई मौत हुई हों, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 18,664 हो गई है, जबकि कोरोना से कुल 4,66,317 संक्रमित ठीक हो चुके हैं। कोविड -19 की रोकथाम, नियंत्रण और उपचार पर म्यांमार की केंद्रीय समिति ने शनिवार को महामारी विरोधी उपायों की अवधि नवंबर के अंत तक बढ़ाने की घोषणा की। घोषणा में कहा गया है कि वायरल बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए संबंधित संघ स्तर के सरकारी संगठनों और मंत्रालयों द्वारा पहले जारी किए गए सभी आदेशों, घोषणाओं, निर्देशों पर विस्तार लागू होगा।

140 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को लीबिया से उनके देश भेजा गया

त्रिपोली। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) ने कहा कि उसने 140 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को उनके मूल देश वापस भेज दिया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी के हवाले से कहा कि चिकित्सा शर्तों के साथ नौ सहित अन्य प्रवासियों को पिछले हफ्ते बेंगाजी से बांग्लादेश लौटने में मदद की गई थी। बयान में कहा गया है, बांग्लादेश के दूतावास इन प्रवासियों को सुविधा और समर्थन दिया गया। लौटने वाले प्रवासियों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें परामर्श सेवाएं और सुरक्षा जांच के साथ-साथ व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और कोविद -19 परीक्षण प्रदान किए गए। 2011 के बाद से लीबिया असुरक्षा और अराजकता का सामना कर रहा है, जिससे उत्तरी अफ्रीकी देश उन अवैध प्रवासियों के लिए प्रस्थान का पसंदीदा बिंदु बन गया है।

जी-20 शिखर सम्मेलन से जुड़े महत्वपूर्ण घटनाक्रम

रोम (एजेंसी)।
जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन में नेताओं ने 15 प्रतिशत वैश्विक न्यूनतम कॉरपोरेट कर को लागू करने के लिए ऐतिहासिक समझौते को व्यापक समर्थन दिया है। इसका उद्देश्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों को कम दर वाले देशों का उपयोग करके करों से बचने से रोकना है। मेजबान देश इटली के अधिकारियों ने बताया कि नेताओं ने शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान शनिवार को प्रस्ताव पर बात की। रविवार के समापन वक्तव्य में इसके लिए औपचारिक अनुमोदन के बाद देश अपनी ओर से न्यूनतम कर लागू करेंगे। इस समझौते में कहा गया है कि यदि किसी अन्य देश में कंपनी के मुनाफे पर कम कर लगाया जाता है, तो जिन देश में उन कंपनी के मुख्यालय हैं वे कंपनी के कर को 15 प्रतिशत तक बढ़ा देंगे। आज की डिजिटल और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुनाफा कॉपीराइट और ट्रेडमार्क जैसे अमूर्त साधनों से कमाया जा सकता है। एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या अमेरिकी संसद इस समझौते के अनुपालन के लिए कानून पारित करेगी, क्योंकि दुनिया की 2,000 सबसे बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में से 28 प्रतिशत कंपनियां अमेरिका में हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन से पहले चीन के कार्बन-उत्सर्जन कम करने के लक्ष्यों को बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति शी चिनफिंग पर दबाव डाला है। हालांकि, उनका प्रयास बहुत सफल नहीं हुआ है। गौरतलब है कि चीन ने इस सप्ताह अपने जलवायु लक्ष्यों का एक अद्यतन संस्करण जारी किया, जिसमें 2060 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन तक पहुंचने और 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने का वादा किया गया। रविवार को जॉनसन स्कॉटलैंड में दो सप्ताह के जलवायु सम्मेलन में विश्व नेताओं की मेजबानी करेंगे। अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन ने कहा है कि उन्होंने अपनी फ्रांसीसी समकक्ष ब्रिगिट मैक्रों के साथ मुलाकात की। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मुलाकात की ताकि तनाव को कम किया जा सके। जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इन देशों के नेता रोम में हैं। फ्रांस ने दुनिया के सबसे गरीब देशों को टीके की 6.7 करोड़ खुराक दान की है, जिससे यह अमेरिका के बाद दूसरा देश बन गया है जिसने संयुक्त राष्ट्र समर्थित कोवैक्स वैक्सीन पहल में सबसे अधिक योगदान दिया है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-यवेस ले द्रियां ने कहा कि फ्रांस ने टीका दान के संबंध में अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा किया है, जिससे 45 से अधिक देशों को लाभ हुआ है, जिसमें अफ्रीका के लगभग 30 देश शामिल हैं। फ्रांस ने 2022 के मध्य तक और छह करोड़ खुराक देने का वादा किया है। रोम में जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले जुटे हुए स्वास्थ्य और वित्त मंत्रियों ने कोविड-19 टीके की कमी के साथ महामारी से निपटने को लेकर चिंता जाहिर की। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टलीना जॉर्जिवा ने शुक्रवार को कहा कि टीकाकरण को गति देने के प्रयासों में 20 अरब डॉलर की कमी है, जो कि वर्ष के अंत तक दुनिया के 40 प्रतिशत और अगले वर्ष के मध्य तक 70 प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए आवश्यक है।

प्रधानमंत्री मोदी और जी20 के अन्य नेताओं ने रोम में ऐतिहासिक ट्रेवी फाउंटेन का दौरा किया

रोम। (एजेंसी)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जी20 शिखर सम्मेलन से इतर विश्व के अन्य नेताओं के साथ यहां प्रसिद्ध ट्रेवी फाउंटेन का दौरा किया। यह फव्वारा इटली के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक है और पर्यटकों द्वारा काफी पसंद किया जाता है। ऐतिहासिक फव्वारे ने उन कई फिल्मकारों को आकर्षित किया है, जिन्होंने बारोक कला-शैली वाले इस स्मारक को रूमानी स्थल के प्रतीक के रूप में लोकप्रिय बनाया है। जी20 इटली ने ट्वीट किया, जी20 के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुखों ने जी20 रोम सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरुआत शहर के एक प्रतीकात्मक स्थान ट्रेवी फाउंटेन की सैर के साथ की, जो दुनिया के सबसे खूबसूरत फव्वारों में से एक है। लगभग 26.3 मीटर ऊंचा और 49.15 मीटर चौड़ा, यह शहर का सबसे बड़ा बारोक फव्वारा है और दुनिया के सबसे प्रसिद्ध फव्वारों में से एक है। प्रसिद्ध फव्वारे का दौरा करने के बाद मोदी स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ द्विपक्षीय वार्ता में भाग लेंगे। वह सतत विकास पर एक सत्र और एक अन्य कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्रेगी के निमंत्रण पर 30 से 31 अक्टूबर तक रोम में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। इटली पिछले साल दिसंबर से जी20 की अध्यक्षता कर रहा है।

ग्लासगो में जलवायु सम्मेलन धरती को बचाने का अंतिम मौका : प्रिंस चार्ल्स

रोम। (एजेंसी)।
प्रिंस चार्ल्स ने विश्व के नेताओं से बच्चों की हताशा भरी अपील पर ध्यान देने का अनुरोध किया है, जो जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि स्कॉटलैंड के ग्लासगो में रविवार से आरंभ हुआ संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन ''सचमुच में पृथ्वी को बचाने का अंतिम मौका है।'' चार्ल्स ने रोम में बैठक कर रहे जी20 नेताओं से कहा कि उनके पास भविष्य की पीढ़ियों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा, ''उन बच्चों की आवाज सुनना असंभव नहीं है जो आपको धरती के रक्षक मानते हैं, उनके भविष्य की जिम्मेदारी आपके हाथों में है।'' पर्यावरण संरक्षण के पैरोकार चार्ल्स ने कहा , '' सरकारों को नेतृत्वकारी भूमिका निभानी चाहिए लेकिन हम जो समाधान चाहते हैं उसकी कुंजी निजी क्षेत्र के पास है। '' चार्ल्स ग्लासगो सीओपी-20 सम्मेलन में सोमवार को जी20 नेताओं का स्वागत करने वाले हैं।इसमें उनकी मां महारानी एलिजाबेथ द्वितीय (95) शरीक होने वाली थी, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है।

ईरान ने सीरिया प्रतिबंध समाप्त करने का आह्वान किया

तेहरान(एजेंसी)।
संयुक्त राष्ट्र में एक ईरानी दूत ने सीरिया के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों को हटाने और सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा यमन पर घेराबंदी को समाप्त करने का आह्वान किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र में ईरान की उप स्थायी प्रतिनिधि जहरा इरशादी ने कहा कि यह काफी चिंताजनक है कि संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, सीरिया में शरणार्थियों और विस्थापित लोगों की संख्या बढ़ रही है।

इरशादी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति से कहा कि इस प्रवृत्ति के अंतर्निहित कारणों को दूर करने के उद्देश्य से प्रयासों को दोगुना किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वहीं यमन मुद्दा वैश्विक स्तर पर सबसे गंभीर मानवीय संकट बना हुआ है, जिसमें लाखों लोगों को मानवीय सहायता की आवश्यकता है।

इस त्रासदी को समाप्त करने के लिए स्थितियां प्रदान करने और इस संकट का शांतिपूर्ण समाधान लाने के लिए, इस राष्ट्र पर लगाई गई अमानवीय नाकाबंदी को पूरी तरह से और तुरंत हटा दिया जाना चाहिए, मार्च 2021 में, सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने राष्ट्रपति अब्द-रब्बू मंसूर हादी का समर्थन करने के लिए हौथियों के खिलाफ यमन में युद्ध ने अपना छठा वर्ष पूरा कर लिया है। यमन सितंबर 2014 से गृहयुद्ध में फंसा है जब हौथी मिलिशिया ने राष्ट्रपति हादी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को राजधानी सना से बाहर कर दिया था। इस बीच, सीरिया के खिलाफ प्रतिबंध, जो 2011 के गृहयुद्ध के बाद से तेज हो गए हैं, के परिणामस्वरूप सीरिया की आबादी पर व्यापक प्रभाव पड़ा है।

वैज्ञानिकों का दावा,अब अपने यूरिन से भी कर सकेंगे स्मार्ट फ़ोन चार्ज

आज के समय में जब हमारी निर्भरता अपने स्मार्ट फ़ोन पर बढ़ती जा रही है तो ऐसे में मोबाइल फ़ोन की बैटरी की चार्जिंग को ले कर हम सब सबसे ज्यादा फिक्रमंद रहते हैं। स्मार्टफोन की चार्जिंग को लेकर वैज्ञानिक एक चौकाने वाला दावा कर रहे हैं नए शोध के अनुसार अब पेशाब से चार्ज किया जा सकेगा स्मार्टफोन। बीबीसी में प्रकाशित खबर के मुताबिक, ब्रिटेन के वैज्ञानिक कुछ ऐसे शोध में लगे हैं, जिससे पेशाब को करंट में बदला जा सकता है।ब्रिटेन के ब्रिस्टल रोबोटिक्स लैब के वैज्ञानिक पेशाब को करंट में बदलने के प्रोजेक्ट पर कर रहे हैं काम।

जाने आखिर क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट्स के अनुसार 2 लीटर यूरीन से करीब 40 मिली वाट तक बिजली का उत्पादन किया जा सकता है। स्मार्टफोन चार्ज करने के अलावा इस बिजली का प्रयोग लाइट जलाने में भी किया जा सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने इलेक्ट्रो-एक्टिव माइक्रोऑर्गेनिस्म को बड़ी मात्रा स्टोर किया, ये माइक्रोऑर्गेनिस्म खराब, गंदे पानी और पेशाब में पनपते हैं। इन माइक्रोऑर्गेनिस्म से इलेक्ट्रॉन डेवलप होता है। इन्ही इलेक्ट्रॉन का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए किया जा सकता है। हालांकि ये शोध कब तक फ़लीभूत होगा ये कहना अभी जल्दबाज़ी होगी। फिर भी ये तो कहा ही जा सकता है कि प्रक्रिया काफी लंबी चल सकती है।

लीबिया के संयुक्त सैन्य आयोग ने विदेशी बलों की वापसी को लेकर की चर्चा

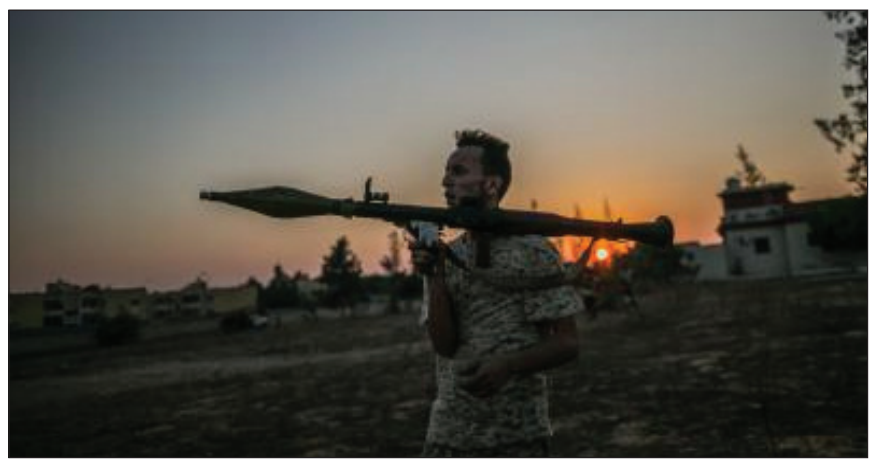

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।
काहिरा, 31 अक्टूबर (आईएएनएस)। लीबिया के 5 प्लस 5 संयुक्त सैन्य आयोग (जेएमसी) ने मिस्र की राजधानी काहिरा में संयुक्त राष्ट्र प्रायोजित वार्ता का एक नया दौर शुरू किया है, ताकि विदेशी सेनाओं की वापसी की योजनाओं पर चर्चा की जा सके। एक रिपोर्ट में मिस्र की आधिकारिक अहराम ऑनलाइन समाचार वेबसाइट के हवाले से कहा कि दो दिवसीय बैठक में लीबिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत जान कुबिस और पड़ोसी देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

8 अक्टूबर को जिनेवा में हुई बैठक के बाद, जेएमसी ने लीबियाई क्षेत्र से सैनिकों, विदेशी लड़ाकों और विदेशी सेनाओं की संतुलित और क्रमिक वापसी के लिए एक व्यापक कार्य योजना पर हस्ताक्षर किए है। इन टैक को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2510 (2020) द्वारा समर्थन दिया गया था, जिसमें दोनों पक्षों को स्थायी युद्धविराम के लिए एक समझौते पर पहुंचने का आह्वान किया गया था। लीबिया में 2011 में पूर्व नेता मुअम्मर गद्दाफी को सत्ता से बेदखल करने और उनकी हत्या के बाद से गृह युद्ध चल रहा है। फरवरी में, लीबिया के युद्धरत गुटों ने 24 दिसंबर को आम चुनाव होने तक देश को चलाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में एक अंतरिम सरकार बनाने पर सहमति व्यक्त की थी।

अफगान किसानों को जकात चुकाने के लिए मजबूर कर रहा है तालिबान

नई दिल्ली (एजेंसी)।
अफगानिस्तान में नकदी की तंगी से जूझ रहा तालिबान शासन देश के संकटग्रस्त किसानों को उनकी जमीन और फसल पर तथाकथित दान या जकात कर चुकाने के लिए मजबूर कर रहा है, जिसमें भुगतान को इस्लामिक कानून के तहत एक दायित्व बताया गया है। यह जानकारी आरएफई/आरएल की रिपोर्ट के जरिये मिली है।

युद्ध, सूखा और कोविड-19 ने पूरे अफगानिस्तान के किसानों को तबाह कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब, पिछले एक साल में फसल उगाने की कोशिश में पैसा गंवाने वाले इन किसानों का कहना है कि तालिबान उन्हें एक और गंभीर झटका दे रहा है।

किसानों का कहना है कि तालिबान के कर संग्रहकताओं ने उनकी संपत्ति के मूल्य का अनुमान लगाया है कि उन्हें उस मूल्य पर 2.5 प्रतिशत कर देना होगा। तालिबान अपने धर्मार्थ करों को इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक के रूप में सही ठहराता है जिन्हें सभी मुसलमानों के लिए दायित्व माना जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जकात दयालुता या उदारता से धर्मार्थ उपहार देने के स्वैच्छिक कार्य से अलग है। यह उन लोगों के लिए अनिवार्य है जो एक निश्चित राशि से अधिक आय अर्जित करते हैं, और यह एक व्यक्ति की आय के साथ-साथ उनकी संपत्ति के मूल्य पर आधारित है। जकात जमा करने वालों को उनके काम का मुआवजा भी दिया जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कर के आलोचकों में इस्लामिक विद्वान और सहायता कर्मी शामिल हैं, जो इस बात पर ध्यान देते हैं कि यह प्रथा मुस्लिम दुनिया में गरीबी को कम करने में विफल रही है। उनका तर्क है कि धन अक्सर बर्बाद और कुप्रबंधित होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान की कर वसूली प्रक्रिया तब शुरू हुई जब स्थानीय आतंकवादियों ने स्थानीय मस्जिदों और आवासीय परिसर की दीवारों पर तथाकथित रात्रिकालीन पत्र पोस्ट किए। मध्य अफगान प्रांत के किसानों का यह भी कहना है कि तालिबान बंदूकधारियों ने दशमांश और धर्मार्थ कर का भुगतान करने की मांग को लेकर रात में उनके घरों पर धावा बोल दिया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जिनके पास भुगतान करने के लिए पैसे नहीं हैं, उनका कहना है कि तालिबान ने उनके पशुओं को जब्त कर लिया है और उनके परिवारों को आने वाले महीनों में मानवीय सहायता पर और भी अधिक निर्भर बना दिया है। काबुल में, तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के कृषि मंत्रालय का कहना है कि वह राजस्व बढ़ाने और देश की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए किसानों, पशुपालकों और छोटे बगीचे वाले लोगों से दान कर एकत्र कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

राज्यपाल ने सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया

शिमला । राज्यपाल ने सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने आज यहां सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान से रन फॉर यूनिटी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। ऐतिहासिक रिज मैदान से आरम्भ की गई रन फॉर यूनिटी दौड़ में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया जिसमें खिलाड़ी, खेल प्रेमी, पुलिस बल के कर्मी, विद्यार्थी तथा अन्य शामिल थे। हिमाचल प्रदेश स्टेट रेडक्रॉस सोसायटी तथा जिला शिमला प्रशासन द्वारा आयोजित इस दौड़ का समापन द मॉल तथा छोटा शिमला से होते हुए पुनः रिज मैदान पर हुआ। राज्यपाल के सचिव प्रियतु मण्डल, उपायुक्त शिमला आदित्य नेगी और पुलिस अधीक्षक डॉ. मोनिका भुटुंगरू भी इस अवसर पर उपस्थित थीं।

झारखंड में दो नक्सली समर्थक गिरफ्तार, 13 वॉकी टॉकी सेट और दो मोटरसाइकिल बरामद

चतरा। प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) को रविवार को उस समय बड़ा झटका लगा जब पुलिस ने नक्सलियों के दो समर्थकों विशुन गंझू और पिंटू गंझू को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से 13 वॉकी टॉकी तथा दो मोटरसाइकिल बरामद की गयी। पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सिमरिया अनुमंडलीय पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अशोक प्रियदर्शी के नेतृत्व में गठित लावालौंग थाना पुलिस की टीम ने जोजवारी गांव के समीप से इन दोनों नक्सली समर्थकों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों नक्सली समर्थकों के पास से विभिन्न कंपनियों के 13 वॉकी-टॉकी सेट, दो मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है। इससे पहले 28 अक्तूबर को हंटरगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने टीएसपीसी के तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया था और उनके पास से एके 47 राइफल और 20 गोलियां बरामद की गयी थी।

उत्तराखंड के चकराता में भयानक सड़क हादसा, खाई में गाड़ी गिरने से 14 लोगों की मौत 4 घायल

देहरादून। उत्तराखंड के चकराता में रविवार को एक वाहन के खाई में गिरने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। दुर्घटना की खबर फैलने के तुरंत बाद बचाव कार्य शुरू हो गया और अधिकारियों जान गवाने वालों की संख्या की पुष्टि की। स्थानीय निवासियों की मदद से राहत प्रयासों को अंजाम देने के लिए आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ता मौके पर मौजूद हैं। यह हादसा उत्तराखंड में देहरादून जिले के चकराता क्षेत्र में बुल्हाड़-बायला मार्ग पर हुआ। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बारे में अन्य जानकारियां अभी जुटायी जा रही हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा परिजनों को इस असीम दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने जिला प्रशासन को तेजी से राहत एवं बचाव कार्य करने और घायलों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। इस बीच, दुर्घटना की सूचना मिलते ही राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और चकराता के स्थानीय विधायक प्रीतम सिंह भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए।

एनसीसी के महानिदेशक ने राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में कोर के विस्तार की समीक्षा की

जोधपुर (राजस्थान)। एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह ने राजस्थान के बाड़मेर में शनिवार को सीमावर्ती इलाकों में कोर के विस्तार की समीक्षा की। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने जोधपुर से बाड़मेर के उत्तरलाई एयरबेस तक एनसीसी के हल्के विमान से उड़ान भरी। उनके साथ राजस्थान एनसीसी के उप महानिदेशक एयर कोमोडोर एल. के. जैन भी थे। एनसीसी के महानिदेशक को कमांडिंग आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल आर. एस. कुशवाहा ने सीमावर्ती इलाकों में एनसीसी के विस्तार और विभिन्न प्रशिक्षण एवं प्रशासनिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने बाड़मेर में सरकारी पीजी कॉलेज का दौरा किया और कैडेट तथा कर्मचारियों से बातचीत की।

सबरीमाला तीर्थयात्रा की व्यवस्था समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी : मंत्री

पथनमथिट्टा (केरल)। केरल देवस्वओम मंत्री के राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि वार्षिक सबरीमाला तीर्थयात्रा के लिए व्यवस्था समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी। मंत्री पथनमथिट्टा, कोट्टायम और इडुक्की जिलों में व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए यहां के पास पम्पा में आयोजित एक उच्च स्तरीय मूल्यांकन बैठक के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों को एक संयुक्त कार्य योजना तैयार करने और वार्षिक तीर्थयात्रा मौसम से पहले इसे सरकार को सौंपने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, 'व्यवस्था समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएंगी। इस साल भी महामारी के कारण तीर्थयात्रा को डिजिटल कतार के माध्यम से अनुमति दी गई है। हमने मंदिर में तीर्थयात्रियों की संख्या को प्रति दिन 25,000 तक सीमित कर दिया है। इस बार 10 लाख से अधिक भक्तों ने पहले ही तीर्थयात्रा के लिए पंजीकरण कराया है।' उन्होंने कहा कि इस साल 470 केएसआरटीसी बसें तीर्थयात्रियों के लिए चलेंगी, जिनमें से 140 बसें निलक्कल और पम्पा आधार शिविरों के बीच श्रृंखलाबद्ध सेवा का संचालन करेंगी।

यूपी की जनता से प्रियंका गांधी का वादा, बोलीं अगर सत्ता में आये तो मछली पालन को कृषि का दर्जा दिया जाएगा

लखनऊ (उप्र) (एजेंसी)।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश मामलों की प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर मछली पालन को कृषि का दर्जा दिया जाएगा और मछली पालन तथा बालू खनन में निषादों को उनका अधिकार वापस दिया जाएगा। प्रियंका गांधी वाद्रा ने इसके अलावा कांग्रेस की सरकार बनने पर महिलाओं को सरकारी बस में मुफ्त यात्राऔर आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं को कम से कम दस हजार रुपये का मानदेय देने की भी घोषणा की।

रविवार को गोरखपुर में कांग्रेस की प्रतिज्ञा रैली में अपने संबोधन की शुरुआत भोजपुरी में करते हुए प्रियंका गांधी वाद्रा ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि ''धर्म और जाति के नाम पर आपकी भावनाओं और आपकी आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''इस सच्चाई को पहचानिये कि एक नेता का सबसे बड़ा धर्म सेवा होता है। आज सरदार पटेल का जन्मदिन और इंदिरा (गांधी) जी जैसी नेता का शहादत दिवस है। इंदिरा जी ने आपको दिखाया कि उनके लिए देश से बड़ा कोई नहीं। जो आस्था आपने उनमें रखी उसी आस?था के लिए उन्होंने अपना जीवन दे दिया। उन्होंने कहा, ''जब हम स्कूल जाते थे तो उनसे मिलकर जाते थे, आज ही के दिन उन्होंने मेरे भाई से कहा कि अगर मुझे कुछ हो जाएगा तो रोना मत।

वह जानती थीं कि उनकी हत्या हो जाएगी लेकिन वह कभी पीछे नहीं हटीं क्योंकि उनके लिए देश और आपकी आस्था से बढ़कर कुछ नहीं था। अगर आज मैं आपके सामने खड़ी हूं तो यह उन्हीं की सीख है, मैं कभी आपकी आस्था नहीं तोड़ सकती हूं। प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा, ''मैं कांग्रेस की प्रतिज्ञा उसी आस्था से रखना चाहती हूं, मैं कहना चाहती हूं कि जो प्रतिज्ञा है वह पूरी होगी,अगर हमारी सरकार आएगी तो मछली पालन को कृषि का दर्जा दिया जाएगा। जो सुविधाएं और छूट कृषि के लिए हैं वह सब मछली पालन में लागू होंगी। बालू खनन और मछली पालन में निषाद समाज को उनका अधिकार वापस दिया जाएगा।'' वाद्रा ने सरकार बनने पर हर साल तीन सिलेंडर मुफ्त देने का भी वादा किया। इसके अलावा बीमारी में दस लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज का भी वचन दिया।

उन्होंने गुरु गोरक्षनाथ के गुरु, गुरु मत्स्येंद्र नाथ के नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा करते हुएकिसानों का पूरा कर्ज माफ करने, गेहूं और धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2500 रुपये प्रति क्विंटल, गन्ना मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल, 20 लाख युवाओं को नौकरी देने, 12वीं पास छात्राओं को स्मार्ट फोन और मोबाइल तथा स्नातक पास छात्राओं को स्कूटी दिये जाने का हाल में दिये वचन को दोहराया। उन्होंने साथ ही कहा कि कांग्रेस 40 फीसद महिलाओं को विधानसभा चुनाव में टिकट देगी। उन्होंने इसके अलावा वादा किया कि कांग्रेस की सरकार बनी तो अन्ना पशुओं (छुट्टा जानवरों) की समस्या का पूर्ण समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''कुछ लोग भाजपा से मिले होने का आरोप लगाते हैं लेकिन मैं इस मंच से कह रही हूं कि मर जाऊंगी, जान दे दूंगी, लेकिन कभी भाजपा से मिलावट नहीं करुंगी।'' प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि कबीर दास कहते थे कि 'साईं इतना दीजिए जामें कुटुंब समाय' लेकिन भाजपा की मंशा यह है कि जनता से लूट लूट कर पूंजीपतियों को पहुंचाएं, महंगाई इतना बढ़ाओ कि जनता त्राहि-त्राहि चिल?लाए। उन्होंने कहा, ''ये कहते हैं कि 70 साल में कांग्रेस ने क्या किया, मैं कहती हूं 70 साल में जो कांग्रेस ने बनाया उसे सात वर्षों में इन लोगों ने बेच दिया।''उन्होंने राज्य में गरीबों, पिछड़ों, बुनकरों, किसानों, महिलाओं, दलितों और ब्राह्मणों के उत्पीड़न का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, ''अमित शाह (केंद्रीय गृह मंत्री)का कल भाषण सुन रही थी, अमित शाह कह रहे थे कि उत्तर प्रदेश में अब अपराधियों को दूरबीन लेकर ढूंढना पड़ता है, लेकिन उनके साथ कौन खड़ा था, अजय मिश्रा टेनी (गृह राज्य मंत्री), मैं कह रही हूं दूरबीन छोड़िए, चश्मा लगाइए, क्या गरीब की कोई सुनवाई नहीं है।'' उल्लेखीय है कि लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में अजय मिश्रा का पुत्र आशीष मिश्रा मुख्य आरोपी है जिसमें में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा, ''यहां पर जलभराव की जो समस्या है आपने देखा होगा कि मुख्यमंत्री बनने से पहले योगी जी आते थे और जबसे मुख्यमंत्री बने हैं हवाई जहाज से उड़ कर चले जाते हैं। उनकी सरकार ने जन जन की रोटी खत्म की है।'' प्रियंका गांधी ने कहा, ''कोरोना में जो ऑक्सीजन मांग रहा था उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। कहा जाता था कि जमीन जब्त कर लेंगे। मदद नहीं मिली, सहायता नहीं मिली। नदी में लाशें बह रही थीं लेकिन सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं आई।

नवाब मलिक अपने दावे पर कायम, कहा- समीर वानखेड़े जन्म से मुस्लिम हैं

मुंबई। (एजेंसी)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने रविवार को कहा कि वह अपने दावों पर कायम हैं कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े जन्म से मुस्लिम हैं और उन्होंने सरकारी नौकरी पाने के लिए फर्जी प्रमाण पत्र पेश किया था। मलिक ने पत्रकारों से कहा कि वह जाति या धर्म की लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं, बल्कि इस बात पर प्रकाश डाल रहे हैं कि कैसे ''फर्जी'' जाति प्रमाण पत्र पर सरकारी नौकरी प्राप्त की गई। मलिक पिछले कई दिनों से वानखेड़े को निशाना बना रहे हैं। वानखेड़े के नेतृत्व में एनसीबी की टीम ने इस महीने की शुरुआत में यहां एक क्रूज जहाज पर छापेमारी की थी और इस दौरान कथित तौर पर नशीले पदार्थ की बरामदगी हुई थी। मंत्री ने बार-बार दावा किया है कि दो अक्टूबर को क्रूज जहाज पर की गई कार्रवाई ''फर्जी'' थी। छापे के दौरान अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान समेत अन्य लोगों को पकड़ा गया था। वानखेड़े ने इससे पहले मंत्री द्वारा उनके ऊपर लगाए गए आरोपों का खंडन किया था। रविवार को मलिक ने दावा किया कि भले ही वानखेड़े मुस्लिम थे लेकिन जब उन्होंने मुंबई हवाई अड्डे पर कुछ बॉलीवुड हस्तियों को रोका, तब सुर्खियों में आने के बाद ''2015 से अपनी पहचान बदलनी'' शुरू कर दी। राकांपा नेता ने कहा, ''अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर दाऊद वानखेड़े (एनसीबी अधिकारी के पिता) डी के वानखेड़े और बाद में ज्ञानदेव बने।

यास्मीन वानखेड़े (एनसीबी अधिकारी की बहन) जैस्मीन बन गईं और उसने अपने पति को तलाक दे दिया, जो एक मुस्लिम है और अब यूरोप में बस गया है।'' मलिक ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष अरुण हलदर के इस बयान पर भी आपत्ति जताई कि वानखेड़े ने कभी धर्मांतरण नहीं किया। मलिक ने कहा, ''हलदर भले ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता हों, लेकिन उनकी नियुक्ति संवैधानिक पद पर हुई है। उन्हें मीडिया के सामने आने और यह टिप्पणी करने के बजाय कि वानखेड़े ने धर्मांतरण नहीं किया है, उन्हें क्या जानकारी दी गई है, इसके सभी तथ्यों को सत्यापित करना चाहिए। अपनी रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए और इसे संसद में प्रस्तुत करना चाहिए। कोई व्यक्ति जो अनुसूचित जाति से नहीं है, वह लाभ का दावा नहीं कर सकता।'' मलिक ने कहा, ''समीर वानखेड़े ने कभी धर्म परिवर्तन नहीं किया क्योंकि वह जन्म से मुसलमान हैं। उनके पिता ने धर्म परिवर्तन किया था और दोनों बच्चे पैदाइशी मुस्लिम हैं। मैं जाति और धर्म की लड़ाई नहीं लड़ रहा हूं, बल्कि इस बात पर प्रकाश डाल रहा हूं कि फर्जी जाति प्रमाण पत्र पर सरकारी नौकरी कैसे मिली।

प्रधानमंत्री मोदी की केदारनाथ यात्रा के दौरान धार्मिक स्थलों पर साधुओं का जुटान करेगी भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच नवंबर को होने वाली केदारनाथ यात्रा को भक्तिमय बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों की योजना बनाई है, जिसमें चारों धाम, 12 ज्योर्तिलिंगों और देश के प्रमुख मंदिरों में साधुओं को आमंत्रित किया जाना शामिल है।

प्रधानमंत्री पांच नवंबर को केदारनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और उसके बाद वह आदि शंकराचार्य की समाधि का उद्घाटन करेंगे। वह आदि शंकराचार्य की प्रतिमा का अनावरण भी करेंगे। प्रधानमंत्री के इस दौरे को ऐतिहासिक बताते हुए भाजपा सूत्रों ने बताया कि पार्टी प्रधानमंत्री के इस दौरे के मद्देनजर राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। इसके लिए पार्टी ने चारों धामों, 12 ज्योर्तिलिंगों और देश भर के 87 प्रमुख मंदिरों में साधुओं और श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया है। ये 87 मंदिर वो हैं, जहां शंकराचार्य अपनी यात्राओं के दौरान गए थे। सूत्रों ने बताया कि इन सभी स्थानों पर बड़े-बड़े एलईडी स्क्रीन लगाए जाएंगे, ताकि लोग प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देख सकें। वर्ष 2013 में उत्तराखंड में आई भीषण बाढ़ में शंकराचार्य की समाधि क्षतिग्रस्त हो गई थी। इस समाधि का पुनर्निर्माण किया गया है। संपूर्ण पुनर्निर्माण कार्य प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हुआ है, जिन्होंने परियोजना की प्रगति की लगातार समीक्षा और निगरानी की है। प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अगले साल फरवरी महीने में वहां विधानसभा के चुनाव होने हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री कई प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे और एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

जीका वायरस के उपचार और नियंत्रण के लिए उचित प्रबंध करें अधिकारी : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीका वायरस के उपचार और बचाव के संबंध में अधिकारियों को उचित प्रबंधन का निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा दस?तक अभियान को पूरी सक्रियता से संचालित किया जाए। रविवार को जारी सरकारी बयान के अनुसार, मुख?यमंत्री ने अपने पांच कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर एक बैठक में संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जीका वायरस के कुछ मामले कानपुर नगर में मिले हैं और इस बीमारी को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा एवं उपचार का उचित प्रबंध किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीका वायरस मच्छरों से फैलता है इसलिए मच्छरों से बचाव ही इससे सुरक्षा है। उन्होंने मच्छर जनित रोगों के नियंत्रण हेतु बचाव एवं जागरूकता कार्य को प्रभावी ढंग से जारी रखने के निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्रवाई जीका वायरस की रोकथाम में उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने निगरानी कार्य को तत्परता से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, सैनिटाइजेशन, फॉगिंग तथा लार्वा रोधी छिड़काव कार्य लगातार किया जाए।

यह कार्रवाई कोविड-19 के साथ-साथ जीका वायरस तथा अन्य संचारी रोगों के नियंत्रण में उपयोगी रहेगी। उल्लेखनीय है कि कानपुर में पिछले हफ्ते जीका वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आया और वायु सेना में तैनात एक अधिकारी इस रोग से संक्रमित पाया गया। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वायु सेना के एक वारंट अधिकारी की जीका वायरस के लिए जांच की गयी और उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई। इसके बाद कई और मामले सामने आये।

दल-बदलू लोगों के इस पार्टी से उस पार्टी में जाने से किसी का जनाधार बढ़ने वाला नहीं : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने अपनी पार्टी के निलंबित छह विधायकों के समाजवादी पार्टी में शामिल होने के एक दिन बाद रविवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही आए दिन दल-बदलू लोगों का इस पार्टी से उस पार्टी में जाने का दौर शुरू हो गया है लेकिन इससे किसी भी पार्टी का जनाधार बढ़ने वाला नहीं है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने रविवार को दलबदलुओं को 'बरसाती मेंढक' करार देते हुए ट्वीट किया, ''उत्तर प्रदेश विधानसभा आम चुनाव नजदीक आने पर अब फिर से आए दिन दलबदलू लोगों के इस पार्टी से उस पार्टी में आने-जाने का दौर शुरू हो गया है किन्तु इससे किसी भी पार्टी का जनाधार बढ़ने वाला नहीं है, बल्कि इससे उन्हें हानि ही होगी। अतः बसपा के लोग ऐसे बरसाती मेंढकों को पार्टी से दूर ही रखें। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, ''केवल दलबदलू ही नहीं बल्कि बरसाती मेंढकों की तरह अनेक ऐसी पार्टियों के नाम भी लोगों को सुनने को मिल रहे हैं जिनके नाम अब तक देखने-सुनने को नहीं मिले थे। सत्ता लोलुपता के ऐसे खेल को जनता खूब समझती है तथा इससे उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। परिवर्तन अटल है। गौरतलब है कि शनिवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में सीतापुर सदर से भाजपा विधायक राकेश राठौर और बसपा के निलंबित विधायक असलम राइनी (भिनगा), सुषमा पटेल (मड़ियाहूं), हर गोविंद भार्गव (सिधौली), हाकम लाल बिंद (हंडिया), मुजतबा सिद्दीकी (फूलपुर) और असलम अली चौधरी (धौलाना) ने सपा की सदस्यता ग्रहण की।

समाजवादी शासन में खुद पर हुए अत्याचार भूली नहीं हैं उत्तर प्रदेश की महिलाएं : स्मृति ईरानी

लखनऊ। (एजेंसी)।

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की महिलाएं और लड़कियां इस पार्टी के शासनकाल में खुद पर होने वाले अत्याचार को भूली नहीं हैं। स्मृति ने लखनऊ की बाबा भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी में आयोजित 'धरोहरः कुशल हाथों की सफल उड़ान' कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कुछ राजनीतिक दल चुनाव की रणबेला में अपने आप को एक नए स्वरुप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन फर्क यह है कि वो राजनीति के लिए प्रयास कर रहे हैं और हम राष्ट्रनीति से ओत-प्रोत होकर समाज कल्याण में अपने आप को समर्पित कर रहे हैं।

उन्होंने सपा संस्थापक मुलायम सिंह द्वारा वर्ष 2014 में लड़कों से गलती हो जाती है , वाले बयान की तरफ इशारा करते हुए कहा जो लोग आज चुनाव के समय रणभूमि में उतर कर राजनीति करना चाहते हैं, उनसे कहना चाहती हूं की उत्तर प्रदेश की महिला भूली नहीं वो मंजर, जब उसकी प्रताड़ना होती थी, क्यूंकि एक विशेष राजनीतिज्ञ उत्तर प्रदेश में सरकार चला रहे थे, जिनका दुस्साहस इतना था की वो कहते थे की लड़के हैं लडकों से तो गलती हो जाती है। स्मृति ने कहा, ''उत्तर प्रदेश की महिलाएं भूली नहीं हैं जब सूर्यास्त के बाद खुले में शौच करने को मजबूर थी क्यूंकि उसके घर में शौचालय बनाने की किसी ने जहमत नहीं उठाई थी।

महिलाएं थाने जाने से भी डरती थी, लेकिन आज भाजपा सरकार में हर एक थाने में महिला हेल्प डेस्क और 'एंटी रोमिओ स्क्वॉड' की स्थापना कर महिलाओं के खिलाफ अपराध को रोकने का काम हो रहा है।'' गौरतलब है कि मुलायम सिंह यादव ने अप्रैल 2014 में लोकसभा चुनाव के लिये मुरादाबाद में आयोजित एक जनसभा में कहा था कि सामूहिक बलात्कार के मामले में फांसी की सजा नहीं देनी चाहिए। उन्होंने कहा था, 'लड़के तो लड़के हैं, उनसे गलतियां हो जाती हैं।' उन्होंने वादा किया था कि केंद्र की सत्ता में आने पर ऐसा कानून बनाएंगे जिससे फांसी दिलाने वाले कानून का दुरुपयोग रोका जा सके। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी की मौजूदगी में 'धरोहर- कुशल हाथों की सफल उड़ान' के दौरान 4200 महिला बुनकर-कारीगरों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली। भाजपा के बुनकर प्रकोष्ठ की सह संयोजक व उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन एंड रिसर्च की अध्यक्ष क्षिप्रा शुक्ला ने बताया कि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने इस अवसर पर 'हेलो कमल शक्ति मोबाइल ऐप'की भी शुरुआत की। इसके माध्यम से अब महिलाएँ संगठन से सीधे संवाद कर सकेंगी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के 26 ज़िलों से 4200 से अधिक महिला कारीगरों और बुनकरों ने प्रतिनिधित्व किया। अनुसूचित जनजाति - थारू समाज के 550 महिलाओं भी कार्यक्रम में शामिल हुईं। उत्तर प्रदेश के एमएसएमई राज्यमंत्री चौधरी उदयभान सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से जिन करोड़ों लोगों को फायदा हुआ है, उसकी एक इकाई आज कार्यक्रम में शामिल हुई है। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। हस्तकला, कारीगरी व महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को भी इस दौरान सम्मानित किया गया।

दीपावली की खरीदारी के कारण नहीं हो रहा कोरोना प्रोटोकॉल का पालन, बाजारों में बेफिक्रे दिखें लोग

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

देश में जब दीपावली की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, तब कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुपालन की चर्चाओं के बीच सिर्फ दो प्रतिशत भारतीयों को लगता है कि मास्क लगाना कोविड-19 से बचाव का एक प्रभावी उपाय है जबकि केवल तीन प्रतिशत महसूस करते हैं कि उनके इलाकों और जिलों में लोग आपस में दूरी रखने के मानदंडों का पालन कर रहे हैं। एक सर्वेक्षण से यह बात सामने आयी है।

समुदाय आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म लोकल सर्किल्स द्वारा किये गए सर्वेक्षण के दौरान देश के 366 जिलों में 20,000 से अधिक नागरिकों से 39,000 से अधिक प्रतिक्रियाएं मिलीं, जिन्होंने बताया कि कैसे लोग त्योहारों के मौसम और यात्रा के दौरान मास्क लगाने और आपस में दूरी जैसे नियमों का पालन कर रहे हैं। सैंतालीस प्रतिशत उत्तरदाता टियर 1 जिलों से, 30 प्रतिशत टियर 2 जिलों से और 23 प्रतिशत टियर 3, 4 और ग्रामीण जिलों से थे। उत्तरदाताओं में 65 प्रतिशत पुरुष थे, जबकि 35 प्रतिशत महिलाएं थीं। सर्वेक्षण में पाया गया कि केवल दो प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके क्षेत्र, जिले या शहर में 90 प्रतिशत से अधिक लोग मास्क लगाने के नियम का अनुपालन करते हैं और केवल 16 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि यात्रा के दौरान हवाई अड्डों, स्टेशनों और बस स्टैंड आदि पर मास्क लगाना प्रभावी है।

सितंबर में लोकल सर्किल द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, 13 प्रतिशत नागरिकों ने महसूस किया कि उनके क्षेत्र, जिले या शहर में मास्क नियम का अधिक पालन हो रहा है, जबकि 30 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने महसूस किया कि यात्रा के दौरान मास्क लगाना प्रभावी है। नवीनतम सर्वेक्षण में, केवल तीन प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके क्षेत्र, जिले या शहर में आपस में दूरी का अनुपालन प्रभावी है और नौ प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि यात्रा के दौरान आपस में दूरी का अनुपालन अब न के बराबर है। सितंबर के सर्वेक्षण के अनुसार, बस छह प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा था कि उनके क्षेत्र, जिले या शहर में आपस में दूरी का अनुपालन अधिक था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

जलवायु वार्ता में निकलेगी डेढ़ डिग्री पर बढ़ने की राह? बड़े लक्ष्य का ऐलान कर सकता है भारत

नई दिल्ली। ब्रिटेन के ग्लास्गो में रविवार से शुरू होने जा रही जलवायु वार्ता कॉप-26 में यदि कार्बन उत्सर्जन में कटौती के नए लक्ष्य तय नहीं होते हैं तो इससे भविष्य में विश्व के समक्ष जलवायु संकट बढ़ सकता है। जिस प्रकार से दुनिया के तमाम देश अपनी सुविधानुसार अलग-अलग किस्म के लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं, उसके चलते सबसे बड़ा सवाल यह पैदा होता है कि क्या इस सम्मेलन से डेढ़ डिग्री की राह पर चलने का रास्ता निकलेगा? आईपीसीसी की छठी रिपोर्ट के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग को काबू करने के लिए मौजूदा प्रयास नाकाफी हैं। वे दो डिग्री या उससे ज्यादा वृद्धि की ओर अग्रसर हैं। जबकि रिपोर्ट यह कहती है कि दुनिया को बड़े जलवायु खतरों से बचने के लिए तापमान वृद्धि डेढ़ डिग्री तक सीमित रखनी होगी। लेकिन इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी देशों को नए सिरे से कार्बन उत्सर्जन में कमी के अपने लक्ष्यों को निर्धारित करना होगा।

नेट जीरो उत्सर्जन पर बनेगी बात?

अध्ययन यह संकेत करते हैं कि यदि 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा जाए तो तापमान बढ़ोतरी को डेढ़ डिग्री तक सीमित करना संभव हो सकता है। लेकिन यह लक्ष्य इतना आसान नहीं है। हालांकि अमेरिका, चीन समेत 39 देश इस लक्ष्य का ऐलान कर चुके हैं। सम्मेलन में कुछ और देश इसका ऐलान कर सकते हैं। भारत और अन्य देशों पर भी इस सम्मेलन में नेट जीरो के ऐलान करने का दबाव है लेकिन विकासशील देशों के लिए इतना कठिन लक्ष्य निर्धारित करना आसान नहीं होगा। इसलिए एक सहमति यह बन सकती है कि विकसित देश नेट जीरो के लक्ष्य घोषित करें और विकासशील देश अपने उत्सर्जन के पूर्व घोषित लक्ष्यों को और बढ़ाएं। जबकि गरीब देशों को अपनी इच्छानुसार कदम उठाने की छूट दी जा सकती है।

पीएम मोदी बोले-

सरदार पटेल हमेशा मजबूत, समावेशी, संवेदनशील भारत चाहते थे, एकजुट होने पर लक्ष्य होगा पूरा

गांधीनगर। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्पांजलि अर्पित की है। इसके साथ ही इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सरदार पटेल को याद किया। पीएम ने कहा कि सरदार पटेल ना केवल इतिहास बल्कि सभी भारतीयों के दिलों में बसते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरदार पटेल हमेशा मजबूत, समावेशी, संवेदनशील भारत चाहते थे, एकजुट होने पर लक्ष्य पूरा होगा।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्पांजलि अर्पित की है। आज गृह मंत्री इस मौके पर केवड़िया में सरदार वल्लभ भाई पटेल को समर्पित 182 मीटर ऊंची प्रतिमा के पास राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शामिल हुए हैं। शाह कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। इस खास मौके पर परेड भी आयोजित हुई। अपने संबोधन में पीएम ने आगे कहा कि सरदार पटेल हमेशा मजबूत, समावेशी, संवेदनशील भारत चाहते थे। हमारा लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब हम एकजुट रहें।

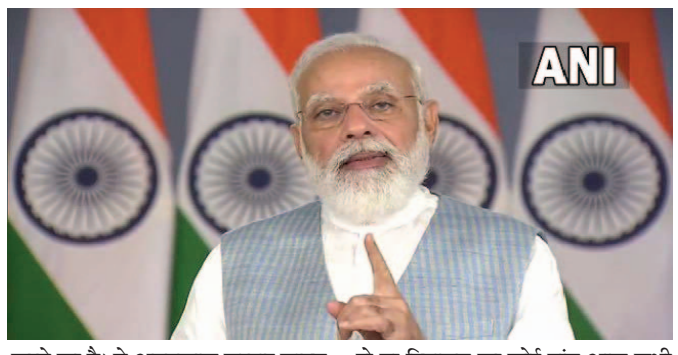

- पीएम ने कहा कि बीते वर्षों में जो अनेक रिफॉर्म किए गए हैं उनका सामूहिक परिणाम है कि भारत निवेश का एक आकर्षक डेस्टिनेशन बन गया है। आगे कहा कि आजाद भारत के निर्माण में सबका प्रयास जितना तब प्रासंगिक था, उससे कहीं अधिक आजादी के इस अमृतकाल में होने वाला है। आजादी का ये अमृतकाल, विकास की अभूतपूर्व गति का है, कठिन लक्ष्यों को हासिल करने का है। ये अमृतकाल सरदार साहब के सपनों के भारत के नवनिर्माण का है।

- इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 7 वर्षों में देश ने दशकों पुराने अवांछित कानूनों से मुक्ति पाई है। राष्ट्रीय एकता को संजोने वाले आदर्शों को नई ऊंचाई दी है। जम्मू-कश्मीर हो, पूर्वोत्तर हो या हिमालय का कोई गांव आज सभी प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं।

- इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें ये याद रखना है कि नाव में बैठे हर मुसाफिर को नाव का ध्यान रखना ही होता है। हम एक रहेंगे तभी आगे बढ़ पाएंगे, देश अपने लक्ष्यों को तभी प्राप्त कर पाएगा। इसके साथ ही आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत सिर्फ एक भौगोलिक इकाई नहीं है बल्कि आदर्शों, संकल्पनाओं, सभ्यता, संस्कृति के उदार मानकों से परिपूर्ण राष्ट्र है। धरती के जिस भूभाग पर हम 130 करोड़ से अधिक भारतीय रहते हैं वो हमारी आत्मा, सपनों, आकांक्षाओं का अखंड हिस्सा है। अमित शाह ने कहा कि आज सरदार पटेल की जन्म जयंती है। मैं पूरे देश में करोड़ों देशवासियों को बताना चाहता हूं- सदियों में कभी कोई एक ही सरदार बन पाता है, वो एक सरदार सदियों तक अलख जगाता है।

सरदार पटेल को देश आज कर रहा याद, राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने किया नमन-इस दौरान अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस का विशेष महत्व है। आज का राष्ट्रीय एकता दिवस आजादी का अमृत महोत्सव का दिन है। आजादी के बाद अंग्रेजों ने जाते समय देश को कई टुकड़ों में बंटने की साजिश रची थी, लेकिन सरदार पटेल ने उस साजिश को नाकाम किया और अखंड भारत बनाने का संकल्प लिया। गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में सशस्त्र सीमा बल ने वुशू मार्शल आर्ट का भी प्रदर्शन किया।

-बता दें कि इस कार्यक्रम में अमित शाह के अलावा भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ,जल, थल, वायुसेना के अधिकारी, ओलंपिक, एशियन व विविध खेलों में मेडल विजेता खिलाड़ियों के साथ पुलिस अधिकारी-कर्मचारी भी शिरकत कर रहे हैं।

बीजेपी को लगातार झटके दे रहीं दीदी, आज राजीब बनर्जी टीएमसी में करेंगे वापसी

नई दिल्ली। बंगाल में बीजेपी को एक और बड़ा झटका लगने जा रहा है। इसी साल ममता सरकार में मंत्रीपद छोड़कर बीजेपी का दामन थामने वाले राजीब बनर्जी आज टीएमसी में वापसी करने वाले हैं। लंबे वक्त से उनकी वापसी की अटकलें लगाई जा रही थी। अब खबर है कि पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी की त्रिपुरा रैली के दौरान राजीब बनर्जी टीएमसी जॉइन करेंगे। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, राजीब बनर्जी आज त्रिपुरा में होने वाली अभिषेक बनर्जी की रैली के दौरान टीएमसी में शामिल होंगे। राजीब बनर्जी इसी साल बीजेपी में शामिल हुए थे। वह पिछली बंगाल सरकार में मंत्री थे और इस्तीफा देकर उन्होंने बीजेपी जॉइन की थी। हालांकि, बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की प्रचंड

जीत के बाद से ही राजीब बनर्जी के सुर बदल गए थे। उन्होंने खुलकर बीजेपी की नीतियों का विरोध करना शुरू कर दिया था और बीजेपी की बैठकों से भी दूरी बना ली थी, जिसके बाद से ही यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि बनर्जी टीएमसी में वापसी कर सकते हैं। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2011 और 2016 में लगातार दो बार दोमजुर विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की थी। हालांकि, ममता के साथ रिश्तों में आई कड़वाहट के बीच राजीव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 से ठीक पहले 29 जनवरी 2021 को टीएमसी छोड़ी दी थी।

मानसिक परेशानी से हर कोई अलग तरह से लड़ता है.. एक तराजू में न तौलें, ऐसा कहकर रद्द कर दिया हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आत्महत्या करने वालों को कमजोर दिल नहीं मानना चाहिए। हर व्यक्ति बिगड़े मानसिक स्वास्थ्य से अपनी तरह से लड़ता है, सभी को एक तराजू में तौलकर उनकी पीड़ा कमतर नहीं आंकनी चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने इसके साथ ही खुदकुशी के लिए उकसाने में एफआईआर खारिज करने के कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने इस मामले में आरोपी सरकारी अधिकारी पर दर्ज एफआईआर यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि मृतक ड्राइवर था, सड़क हादसों में लोगों को मरते, अपाहिज होते देखता था, कमजोर दिल नहीं था। दोस्तों-रिश्तेदारों से बातचीत करता था। यह सब सामान्य व्यक्ति के व्यवहार हैं, किसी गंभीर तनाव से गुजर रहे व्यक्ति के नहीं। मामले को जारी रखना न्याय का उपहास होगा। आरोपी को लंबी सुनवाई से गुजरना होगा। इसके खिलाफ अपील मंजूर करते हुए जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की पीठ ने कहा, हाईकोर्ट ने सुनवाई के बजाय धारणा के अनुसार कार्रवाई की। सुनवाई में आरोपों की सच्चाई जाननी चाहिए थी। पर, जांच भी रोक दी गई। यह अपने क्षेत्राधिकार का उल्लंघन है।

सुप्रीम कोर्ट-सभी को एक सांचे में फिट नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हाईकोर्ट यह मान कर चला कि सामान्य तौर पर मनुष्य का व्यवहार कैसा होना चाहिए और कैसा नहीं? आत्महत्या करने का फैसला करने वाले व्यक्ति को 'कमजोर' करार दिया, लेकिन इस पारंपरिक सोच को व्यवहार विज्ञानी खारिज करते हैं कि 'सभी मनुष्य एक जैसा व्यवहार करते हैं।'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, व्यक्तित्वों में फर्क होता है। इसी से लोगों का अलग व्यवहार तय होता है। कोई व्यक्ति मानसिक या शारीरिक संकट से कैसे निपटता है, प्रेम, दुख, हानि, खुशी-कैसे अभिव्यक्त करता है, यह मानव मन व मस्तिष्क के अलग-अलग पहलू तय करते हैं। सब एक सांचे में फिट नहीं हो सकते।

शीर्ष अदालत ने कहा-यह कहना कि अवसाद या तनाव में व्यक्ति को कैसा व्यवहार करना चाहिए था, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की गंभीरता को कम आंकना है।

काला धन ड्राइवर से करवाता था सफेद-इस मामले में आरोप है कि बंगलूरू का भूमि अधिग्रहण अधिकारी अपने ड्राइवर के बैंक खाते व फोन नंबर का उपयोग कर काला धन सफेद करता था। मना करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित ने 12 पेज का सुसाइड नोट लिख खुदकुशी कर ली। आत्महत्या के लिए उकसाने में अधिकारी गिरफ्तार हुआ। बाद में बेल मिल गई। 29 मई 2020 को हाईकोर्ट ने एफआईआर भी रद्द कर दी।

राकेश टिकैत की केंद्र को चेतावनी किसानों को जबरन बॉर्डरों से हटाया तो देशभर में सरकारी दफ्तरों को गल्ला मंडी बना देंगे

नई दिल्ली। केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों को लेकर गतिरोध अब भी बरकरार है। कानूनों को रद्द कराने पर अड़े किसान इस मुद्दे पर सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर चुके हैं। कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन कर रहे भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत ने रविवार को केंद्र सरकार को चेतावनी दी है कि अगर किसानों को बॉर्डरों से जबरन हटाने की कोशिश हुई तो वे देशभर में सरकारी दफ्तरों को गल्ला मंडी बना देंगे। टिकैत ने कहा कि हमें पता चला है कि प्रशासन जेसीबी की मदद से यहां टेंट को गिराने की कोशिश कर रहा है, अगर वे ऐसा करते हैं तो किसान पुलिस थानों, डीएम कार्यालयों में अपने टेंट लगाएंगे। टिकैत ने शनिवार को कहा था कि ललितपुर में एक और किसान रघुवीर पटेल ने खाद न मिलने से दुखी होकर आत्महत्या कर ली। केंद्र व राज्य सरकार किसानों को आत्महत्या के अंधे कुएं में धकेल रही है। सरकार हठधर्मिता छोड़े, वरना संघर्ष और तेज होगा। संयुक्त किसान मोर्चा ने टीकरी बॉर्डर पर बैरिकेड हटाने और दिल्ली-हरियाणा मार्ग के एक रास्ते को खोले जाने के बाद शनिवार को कहा कि अगर केंद्र को पूरी तरह से रास्ते खोलने हैं तो उसे कृषि कानूनों पर किसानों की मांग को पूरा करने के लिए बातचीत का रास्ता भी खोलना चाहिए। केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने कहा कि किसानों ने कभी सड़कों को अवरुद्ध नहीं किया। शनिवार को 11 महीने बाद प्राधिकारों ने टीकरी सीमा पर लगे बैरिकेड हटाने के बाद दिल्ली से हरियाणा जाने वाली सड़क का एक मार्ग खोल दिया।

दिहाड़ी मजदूर ने आठ साल पहले किया था आवेदन, अब तक नहीं मिला राशन कार्ड, नाराज हाईकोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने एक दैनिक वेतनभोगी मजदूर को आठ वर्ष पूर्व आवेदन करने के बावजूद राशन कार्ड जारी न करने पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से जवाब तलब किया है। दरअसल दिल्ली सरकार ने अदालत को बताया कि केंद्रीय अथारिटी द्वारा तय राशन कार्ड जारी करने की सीमा तय करने के कारण राशन कार्ड जारी नहीं किया जा रहा क्योंकि तय सीमा के तहत कार्ड जारी किए जा चुके है।

न्यायमूर्ति रेखा पल्ली के समक्ष पेश दिल्ली सरकार ने बताया कि 2011 की जनगणना के आधार पर केंद्र ने 72 लाख राशन कार्डों की सीमा तय की है जो पूरी हो चुकी है। अदालत एक दैनिक वेतनभोगी मजदूर की याचिका पर सुनवाई कर रही है

जिसने अपने परिवार के सभी सदस्यों के नाम के साथ राशन कार्ड जारी करने का अनुरोध किया है। अदालत ने इस महीने की शुरुआत में दिल्ली सरकार से पूछा था कि दैनिक वेतनभोगी मजदूर को राशन कार्ड जारी करने के लिए आवेदन आठ साल से क्यों लंबित है दिल्ली सरकार के अधिवक्ता गौतम नायर ने अदालत को बताया कि इस मामले में दिल्ली सरकार व अन्य एजेंसियों की कोई गलती नहीं है और केंद्र सरकार द्वारा तय सीमा का उल्लंघन कर ज्यादा राशन कार्ड जारी नहीं किए जा सकते। उन्होंने कहा इस मुद्दे पर केंद्र सरकार ही जवाब दे सकती है। अदालत ने उनके तर्क को स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर पूरी स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए पांच जनवरी 2022 की तारीख तय की है। याची ने कहा कि उसने सितंबर 2013 को अपने व परिवार के नाम पर राशन कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किया था।

वह दक्षिणी दिल्ली की झुग्गी में रहती है और उसके पति के नाम पर 2005 में राशन कार्ड जारी किया गया था लेकिन 2013 में उसे रद्द कर दिया गया। अधिकारियों को बार-बार ज्ञापन देने के बावजूद अब नए सिरे से राशन कार्ड जारी नहीं किया जा रहा। कार्ड के अभाव में उन्हें सस्ती दरों का राशन नहीं मिल पा रहा और यह उनके अधिकारों का हनन है।

दिवाली व छठ के लिए रेलवे ने शुरू की 15 स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली। त्यौहार पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने 15 स्पेशल ट्रेन शुरू करने का ऐलान किया है। दिवाली और छठ पर यात्रियों को इससे काफी सुविधा होगी। ये गाड़ियां यात्रियों को कंफर्म टिकट उपलब्ध कराने में मददगार होंगी। कोरोना के चलते ट्रेनों में वेटिंग टिकट पर यात्रा पर रोक है। इससे बचने के लिए रेलवे हर दिन नई-नई गाड़ियां शुरू कर रहा है। इसी कड़ी में 15 स्पेशल ट्रेन शुरू हो रही हैं जो भागलपुर, दरभंगा, जोगबनी, सहरसा आदि स्टेशनों के लिए खुलेंगी। वापसी में ये ट्रेनें बिहार के इस स्टेशनों से दिल्ली पहुंचेंगी।

भागलपुर-आनंद विहार त्योहार विशेष एक्सप्रेस

03759/03760 भागलपुर-आनंद विहार त्योहार विशेष एक्सप्रेस ट्रेन 1 नवंबर से शुरू हो रही है। भागलपुर से हर सोमवार को और आनंद विहार से हर मंगलवार को यह ट्रेन चलेगी। भागलपुर से 9 बजे चलकर अगले दिन 11.05 में आनंद विहार पहुंचेगी। वहीं आनंद विहार से 18.15 बजे खुलकर अगले दिन 19.40 बदे भागलपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन सुलतनागंज, जमालपुर, अभयपुर, किऊल, पटना, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं, वाराणसी, सुलतानपुर जं, लखनऊ और मुरादाबाद स्टेशन पर रुकेगी. इस ट्रेन में 2 टियर, 3 टियर एसी और स्लीपर के साथ आरक्षित सेकंड क्लास के डिब्बे होंगे।

दिल्ली जंक्शन-दरभंगा जंक्शन त्योहार विशेष एक्सप्रेस

06996/06995 दिल्ली जंक्शन-दरभंगा जंक्शन त्योहार विशेष एक्सप्रेस ट्रेन के 4 फेरे चलेंगे। यह ट्रेन दिल्ली से रात को 12.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21.30 बजे दरभंग पहुंचेगी। 06996 दिल्ली जंक्शन से और 06995 दरभंगा से शुक्रवार और सोमवार को चलेगी। यह ट्रेन मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोरखपुर, नरकटियागंज, रक्सौल और सीतामढ़ी स्टेशनों पर रुकेगी। इसमें द्वितीय श्रेणी के आरक्षित डिब्बे होंगे।

नई दिल्ली-जोगबनी नई दिल्ली त्योहार स्पेशल एक्सप्रेस

02500/02499 नई दिल्ली-जोगबनी नई दिल्ली त्योहार स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन के दो फेरे चलेंगे। नई दिल्ली से यह ट्रेन 11.05 में प्रस्थान करेगी और अगले दिन 6 बजे जोगबनी पहुंचेगी। जोगबनी से यह ट्रेन रात 9 बजे चलेगी और नई दिल्ली शाम 4 बजे पहुंचेगी। नई दिल्ली से यह ट्रेन शुक्रवार को और जोगबनी से शनिवार को चलेगी। यह ट्रेन मुरादाबाद, आजमगढ़, मऊ, बलिया, छपरा, हाजीपुर, बरौनी, नवगछिया, कटिहार और पूर्णिया जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी. इसमें सभी डिब्बे द्वितीय श्रेणी आरक्षित होंगे।

दिल्ली जंक्शन-सहरसा जंक्शन-दिल्ली जंक्शन त्योहार स्पेशल एक्सप्रेस

04986/04985 दिल्ली जंक्शन-सहरसा जंक्शन-दिल्ली जंक्शन त्योहार स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी के 2 फेरे चलेंगे। दिल्ली से यह ट्रेन 15.30 में खुलकर अगले दिन 17.00 बजे सहरसा पहुंचेगी। सहरसा से 19.00 प्रस्थान कर यह ट्रेन 19.15 बजे दिल्ली पहुंचेगी. दिल्ली से शुक्रवार को और सहरसा से शनिवार को ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, गोरखपुर, छपरा, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया और बख्तियारपुर जंक्शन पर रुकेगी. इसमें सभी डिब्बे द्वितीय श्रेणी के आरक्षित होंगे।

सरहिंद-सहरसा-अंबाला छावनी त्योहार स्पेशल

04598/04597 सरहिंद-सहरसा-अंबाला छावनी त्योहार स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी के 6 फेरे चलेंगे। सरहिंद से 12.10 बजे और सहरसा से 20.30 में यह ट्रेन चलेगी। सरहिंद से शुक्रवार, शनिवार, रविवार (5,6, 7 नवंबर) को और सहरसा से शनिवार, रविवार, सोमवार (6,7,8 नवंबर) को ट्रेन चलेगी. यह ट्रेन राजपुरा, सहारनपुर, मुरादाबाद, खगड़िया, बख्तियारपुर स्टेशनों पर रुकेगी। सभी डिब्बे सेकंड क्लास आरक्षित होंगे।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com